सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

"मन में मैल रखकर बाहर से अच्छे होने का दिखावा करना कीचड़ के ऊपर रंग लगाने वाली बात है...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–302 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 23 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

दो दिन के इंतजार के बाद कैमरे में कैद हुई भारतीय विशाल गिलहरी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई के वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर इमरान अहमद अंसारी ने फिर बिखेरा जलवा

कभी-कभी जंगल में एक खूबसूरत तस्वीर लेने के लिए घंटों नहीं, बल्कि कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। ऐसा ही धैर्य भिलाई के बेहतरीन वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर इमरान अहमद अंसारी ने दिखाया और उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व, छत्तीसगढ़ में भारतीय विशाल गिलहरी (Ratufa indica) को अपने कैमरे में कैद कर लिया।

इमरान अहमद अंसारी को इस खूबसूरत गिलहरी को कैमरे में कैद करने के लिए पूरे दो दिनों तक इंतजार और मेहनत करनी पड़ी। आखिरकार जब यह प्यारा सा पल कैमरे में कैद हुआ, तो दो दिनों की सारी मेहनत सफल हो गई। भारतीय विशाल गिलहरी अपनी आकर्षक रंगत, चमकदार आंखों और बेहद खूबसूरत लंबी, घनी एवं झबरीली पूंछ के कारण प्रकृति की सबसे मनमोहक गिलहरियों में से एक है।



आइए जानते हैं इस खूबसूरत गिलहरी के बारे में कुछ रोचक बातें

इसकी अनोखी खूबसूरती

इसका शरीर कई आकर्षक रंगों से सजा होता है। भूरा, गहरा लाल, सुनहरा और काला जैसे रंग इसकी खूबसूरती को और बढ़ाते हैं। इसकी लंबी और घनी पूंछ इसे एक अलग पहचान देती है।

पेड़ों पर रहने की माहिर

यह अपना ज्यादातर समय पेड़ों की ऊंची शाखाओं पर बिताती है। यह एक कुशल वृक्षवासी जीव है और एक पेड़ से दूसरे पेड़ तक लंबी छलांग लगा सकती है।

क्या खाती है यह गिलहरी ?

इसके भोजन में फल, फूल, बीज, मेवे, पेड़ों

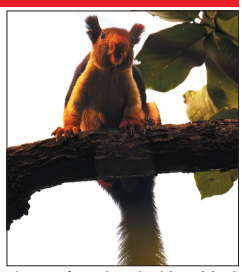

की छाल और कभी-कभी कीड़े-मकोड़े भी शामिल होते हैं।

कैसा होता है इसका व्यवहार ?

यह मुख्य रूप से दिन के समय सक्रिय रहती है। आमतौर पर अकेले रहना पसंद करती है। स्वभाव से काफी सतर्क और शर्मीली होती है। खतरे का आभास होते ही पेड़ों की घनी शाखाओं में छिप जाती है।

क्या यह दुर्लभ प्रजाति है ?

भारतीय विशाल गिलहरी भारत की स्थानिक प्रजाति (Endemic Species) है, यानी प्राकृतिक रूप से यह भारत में पाई जाती है।।IUCN की Red List में इसे Least Concern (LC) श्रेणी में रखा गया है। इसका अर्थ है कि विश्व स्तर पर इसे फिलहाल विलुप्तप्राय नहीं माना जाता। हालांकि जंगलों की कटाई और प्राकृतिक आवास का नष्ट होना इसके लिए चिंता का विषय है।

अपने शर्मीले स्वभाव और पेड़ों की ऊंची छतरियों में रहने के कारण जंगल में इसे देखना और



कैमरे में कैद करना हमेशा आसान नहीं होता। वन्यजीव फोटोग्राफी सिर्फ तस्वीरें खींचना नहीं है, बल्कि प्रकृति को समझना, धैर्य रखना और उसके खूबसूरत पलों को दुनिया तक पहुंचाना है।

निगम की जांच में खुलीं टैक्स वसूली की गड़बड़ियां, अब अपना सॉफ्टवेयर बनवाएगा निगम



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शहर के लोगों से संपत्तिकर, समेकित कर, जलकर और यूजर चार्ज वसूलने वाली निजी एजेंसी के सॉफ्टवेयर पर अब नगर निगम को भरोसा नहीं रहा। निगम की जांच में एजेंसी के सॉफ्टवेयर में 11 संपत्तिकर आईडी के रिकॉर्ड में गंभीर गड़बड़ियां सामने आई हैं। कहीं व्यावसायिक संपत्ति को आवासीय बताकर यूजर चार्ज की गणना की गई, कहीं कई वर्षों का बकाया सॉफ्टवेयर में शून्य दिखा दिया गया, तो कहीं बिना नामांतरण आदेश के करदाता का नाम बदलने का मामला मिला। इसके बाद निगम ने वसूली व्यवस्था को निजी एजेंसी के सॉफ्टवेयर से अलग कर अपना सिस्टम तैयार कराने की योजना बनाई है। इसके लिए बैंक से निगम ने बातचीत की है। बैंक सॉफ्टवेयर बनाकर निगम को देगा।

सबसे बड़ा बदलाव यह होगा कि टैक्स वसूली का पूरा डेटा और सॉफ्टवेयर निगम के नियंत्रण में रहेगा। करदाता ऑनलाइन या अन्य माध्यम से टैक्स जमा करेंगे तो राशि सीधे निगम के खाते में पहुंचेगी। सॉफ्टवेयर के संचालन और डेटा पर निगम का अधिकार रहेगा। निजी एजेंसी अपनी मर्जी से टैक्स की गणना, बकाया या करदाता के रिकॉर्ड में बदलाव नहीं कर सकेगी। वर्तमान व्यवस्था में एजेंसी के पास सॉफ्टवेयर का नियंत्रण है। निगम के अधिकारियों को इसकी आईडी तक उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई है।

एजेंसी को नोटिस : निगम आयुक्त सुरुचि सिंह ने जांच कमेटी बनाई थी। जिसकी जांच में एजेंसी की पोल खुल गई है। एजेंसी को प्रशासन ने नोटिस दिया है। तीन दिन के भीतर सभी मामलों की जांच कर स्पष्ट प्रतिवेदन देने और गलत अपडेट व वसूली से जुड़े कर्मचारियों को हटाकर कार्रवाई की जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। यानी अब मामला केवल सॉफ्टवेयर बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि पुराने रिकॉर्ड और वसूली की भी जांच के दायरे में आ गए हैं।

नई व्यवस्था से निगम को क्या फायदा ? : निगम का अपना नियंत्रण होने से टैक्स की गणना, बकाया, भुगतान और रसीद का रिकॉर्ड सीधे निगम के पास रहेगा। इससे राजस्व की निगरानी आसान होगी। साथ ही करदाता द्वारा जमा की गई राशि और निगम के खाते में पहुंची रकम का मिलान भी किया जा सकेगा। सबसे अहम बात यह कि भविष्य में किसी संपत्ति का उपयोग, क्षेत्रफल, करदाता का नाम या बकाया बदलने पर उसका डिजिटल रिकॉर्ड और जवाबदेही तय की जा सकेगी।

जानिए एजेंसी की पांच बड़ी गड़बड़ी

14 साल तक व्यावसायिक टैक्स की गणना में गड़बड़ी : संपत्तिकर आईडी 3260300391 (अमर बजाज) में 2008 की भवन अनुज्ञा में भूतल और प्रथम तल व्यावसायिक दर्ज हैं। इसके बावजूद एजेंसी के सॉफ्टवेयर में केवल भूतल का व्यावसायिक टैक्स लिया। यूजर चार्ज भी व्यावसायिक की जगह आवासीय लगाया गया। निगम के अनुसार इससे करीब 14 साल के टैक्स और यूजर चार्ज में अंतर आया। बिना नामांतरण आदेश के करदाता का नाम बदलने की गड़बड़ी भी मिली।

11 साल का यूजर चार्ज, केवल 5,080 रुपए वसूले : आईडी 3260100092 (परवेज अहमद) में अक्टूबर 2016 से मार्च 2027 तक के यूजर चार्ज की गणना में गड़बड़ी बताई गई। निगम के पत्र के अनुसार करीब 11 साल के लिए केवल 5,080 रुपए वसूले गए और सॉफ्टवेयर में बकाया डिमांड शून्य दिखाई गई।

जांच की भनक लगते ही डिमांड में बदलाव : आईडी 1070600236 (जयकिशोर सिंह) में चार व्यावसायिक फ्लोर होने के बावजूद यूजर चार्ज की डिमांड शून्य दिखाई गई। निगम के पत्र में उल्लेख है कि 7 सितंबर 2026 को सुबह 11:10 बजे डिमांड शून्य थी, लेकिन उसी दिन दोपहर 1:49 बजे इसमें बदलाव कर दिया गया।

63,489 रुपए की डिमांड, काउंटर पर 33,713 रुपए की वसूली : आईडी 4360800020 (रामकृष्ण देवांगन) में स्ववित्तरणी सॉफ्टवेयर पर 63,489 रुपए की डिमांड दर्ज थी, जबकि काउंटर से 33,713 रुपए की वसूली की रसीद का उल्लेख जांच पत्र में है। साथ ही करदाता के नाम में बदलाव और यूजर चार्ज की डिमांड शून्य दिखने की गड़बड़ी भी बताई गई।

कई वर्षों का बकाया शून्य, कम वसूली के मामले : आईडी 1011000128 में अप्रैल 2023 से मार्च 2027 तक का यूजर चार्ज शून्य दिखाया गया। वहीं आईडी 2110900039 में नौ साल का यूजर चार्ज केवल 2,720 रुपए वसूलने और आईडी 2110900006 में छह साल के यूजर चार्ज की गलत गणना कर 2,120 रुपए वसूलने का उल्लेख है।

राजस्व वसूली में पारदर्शिता और गड़बड़ियों को रोकना निगम की प्राथमिकता है। जांच में सामने आई अनियमितताओं को लेकर संबंधित एजेंसी से जवाब मांगा गया है। नगर निगम अपना खुद का सॉफ्टवेयर बनवा रहा है।

सुरुचि सिंह, आयुक्त भिलाई निगम

नगर निगम रिसाली में शव वाहन की खरीदी में भी गड़बड़ी

पहले महंगे दाम में छोटा खरीदे, खुलासा हुआ तो मॉडिफाई कराकर वापस ले आए

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

नगर निगम रिसाली में शव वाहन (स्वर्ग रथ) खरीदी में भी गड़बड़ी की गई। पहले जब खरीदी की गई तो छोटे साइज का शव वाहन खरीदा गया। बाद में जब लोगों ने आपत्ति जताई और भ्रष्टाचार की चर्चा होने लगी तो निगम अधिकारियों ने उसे वापस कर दिया। अब करीब 5 माह बाद फिर से शव वाहन को वापस लाया गया है।

शव वाहन को मॉडिफाई करके उसकी लंबाई को बढ़ाकर डेंटिंग-पेंटिंग कर दिया गया है। सिर्फ यही नहीं, पहले अफसरों ने कहा कि हमने जो डिमांड दी थी, उसके अनुसार शव वाहन नहीं था। इसलिए उसे कंपनी को वापस भेज दिया गया। जबकि अब जो आया है, उसकी चौड़ाई भी कम है। ऐसे में जब शव वाहन में शव को रखा जा रहा था, तो अंदर परिजनों के बैठने के लिए पर्याप्त जगह नहीं बन पा रही है। यही कारण है कि शव वाहन के



अंदर लगे फ्रीजर को निकाल कर निगम में रख दिया गया है।

आपको बता दें कि नगर निगम रिसाली ने अप्रैल में शव वाहन खरीदा। जिसमें निगम ने नगर निगम रिसाली, स्वर्ग रथ आदि लिखवा भी लिया था। बस उसे चालू करने की देरी थी। क्योंकि विधिवत हरा झंडा दिखाकर शुरूआत करना था। लेकिन इससे पहले ही जनप्रतिनिधियों ने गड़बड़ी की आशंका जताई और विरोध शुरू कर दिया। दैनिक भास्कर ने शव वाहन की खरीदी में हुई गड़बड़ी को प्रमुखता से उजागर किया। इसके बाद निगम प्रशासन ने अपना पल्ला झाड़ लिया कि एजेंसी ने गलत वाहन भेज दिया है। उसे वापस किया जाएगा। इसके बाद निगम ने आनन-फानन में शव वाहन को निगम से हटा दिया। उसके बाद अब जाकर वाहन वापस लाया गया है।



मॉडिफाई करके लाए

शव वाहन को कंपनी को वापस भेजा था, उसी को मॉडिफाई करके लाए हैं। पहले छोटा था, उसे अब बड़ा कर दिया गया है। फ्रीजर निकाल कर रखा है, उसके बारे में मुझे जानकारी नहीं है।

सुनिल दुबे, कार्यपालन अभियंता, रिसाली निगम

सीएसआर फंड से खरीदा

नगर निगम ने शव वाहन को अपने फंड से नहीं खरीदा है। एक संस्था ने निगम को करीब 30 लाख रुपए सीएसआर फंड दिया था। क्योंकि दैनिक भास्कर ने समाचार प्रकाशित किया था कि रिसाली में एक ही शव वाहन है। इस वजह से अंतिम संस्कार के लिए शव को इंतजार करना पड़ता है। फंड मिलने पर निगम ने करीब 29.40 लाख रुपए में शव वाहन खरीदा। उसमें भी कुछ लोगों की नियत डोली और अपना मुनाफा निकालने की कोशिश की। ताज्जुब की बात यह है कि इससे पहले भी रिसाली निगम में जो शव वाहन है, उसकी भी जब खरीदी की गई थी, तब भी ऐसा ही किया गया था। उसे भी पहले छोटा खरीदे, फिर बाद में मॉडिफाई कर लंबा कराया था।

राजनांदगांव में कोहरे की चादर, हिल स्टेशन जैसा एहसास

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



सुबह सात बजे तक सूर्य देवता के दर्शन नहीं, घरों में दुबके रहे लोग

संस्कारधानी में सोमवार की सुबह कुछ अलग ही नजारा लेकर आई। पूरा शहर घने कोहरे की सफेद चादर में लिपटा रहा। सुबह सात बजे तक कोहरा इस कदर छाया रहा कि कुछ दूरी पर खड़ी चीजें भी धुंधली दिखाई दीं। आज का मौसम किसी हिल स्टेशन जैसा महसूस हो रहा है। मौसम के इस बदले मिजाज ने शहरवासियों को ठिठुरन के साथ-साथ एक सुखद एहसास भी दिया।

सूर्य देवता सुबह सात बजे तक नजर नहीं आए। आसमान में बादल और कोहरे की मोटी परत के कारण धूप का नामोनिशान नहीं दिखा। ठंडी हवाओं और नमी भरे वातावरण के चलते लोग अपने घरों में ही दुबके रहे। सामान्य दिनों में सुबह की सैर पर निकलने वाले लोग भी आज कम ही दिखाई दिए। जो लोग निकले, वे गर्म कपड़ों, मफलर और टोपी में लिपटे नजर आए।

शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, मुख्य मार्गों और बाजार क्षेत्रों में सुबह के समय सन्नाटा-सा पसरा रहा। चाय की दुकानों पर जरूर कुछ चहल-पहल देखी गई, जहाँ लोग गरमागरम चाय की चुस्कियों के साथ ठंड से राहत पाते दिखे। कई जगह लोग अलाव का सहारा लेते भी नजर आए।

कोहरे का असर सड़कों पर भी साफ दिखा। दृश्यता कम होने के कारण वाहन चालकों को सावधानी बरतनी पड़ी। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक हेडलाइट जलाकर धीमी गति से चलते दिखे। विशेषकर राष्ट्रीय राजमार्ग और शहर से बाहर जाने वाले मार्गों पर चालकों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत रही। स्कूल जाने वाले बच्चों के अभिभावकों ने भी बच्चों को गर्म कपड़ों में लपेटकर भेजा।

नवंबर के अंतिम सप्ताह में इस तरह का घना कोहरा और ठंडक आमतौर पर कम ही देखने को मिलती है। बुजुर्गों का कहना है कि इस साल सर्दी ने कुछ जल्दी दस्तक दे दी है। रात के तापमान में गिरावट और सुबह की नमी का असर अब साफ महसूस किया जा रहा है। मौसम के जानकारों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट आ सकती है, जिससे ठंड का असर बढ़ेगा।

चिकित्सकों ने इस मौसम में बुजुर्गों, बच्चों और सांस के रोगियों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। उनका कहना है कि सुबह-सुबह कोहरे और ठंड में बाहर निकलने से बचें और गुनगुना पानी पीएँ। ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनें और जरूरत पड़ने पर ही घर से बाहर निकलें।

हालाँकि कोहरे और ठंड के बीच कई लोगों ने इस मौसम का आनंद भी उठाया। सोशल मीडिया पर भी शहरवासी कोहरे की तस्वीरें साझा करते नजर आए। किसी ने इसे "मिनी शिमला" कहा तो किसी ने "मसूरी जैसा नजारा" बताया। कोहरे में डूबे तालाब, पेड़ और सड़कें किसी कलाकार की पेंटिंग जैसे प्रतीत हुए।

दिन चढ़ने के साथ धूप निकलने पर कोहरा छँटने की उम्मीद है, लेकिन तब तक राजनांदगांव के लोग इस हिल स्टेशन जैसे मौसम का लुत्फ उठा रहे हैं।

डेढ़ लाख की रिश्वत लेने वाली जीएसटी अधिकारी हुई निलंबित, जेल भेजी गई

सीजीपीएससी भर्ती घोटाले को फिर दी आंच



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कांकेर में डेढ़ लाख की रिश्वत प्रकरण में जीएसटी सहायक आयुक्त अंचला गिरी के जेल जाने के बाद छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) भर्ती घोटाला–2021 फिर सुर्खियों में आ गया है। एसीबी ने अधिकारी के साथ गिरफ्तार बिचौलिए सीए इमरान मेमन को भी रविवार को जेल भेज दिया।

क्या है मामला

अंचला पर तीन लाख रुपये के कबाड़ से भरे वाहन को छोड़ने के बदले दो लाख रुपये मांगने का आरोप है। कारोबारी शोएब रंगरेज की शिकायत पर शनिवार को एसीबी ने ट्रैप किया। घर पर डेढ़ लाख रुपये की घूस लेते समय अंचला ने कथित तौर पर नोटों के बंडल नाली में फेंक दिए थे। एसीबी ने नकदी बरामद कर उन्हें और सीए इमरान मेमन को गिरफ्तार किया। इसके बाद शासन ने अंचला को निलंबित कर दिया।

21वीं रैंक, सोनवानी के समय हुआ था चयन

अंचला गिरी ने सीजीपीएससी भर्ती परीक्षा–2021 में 21वीं रैंक हासिल की थी। वर्ष 2024 में ट्रेनिंग पूरी होने के बाद लेखा अधिकारी बनीं। इसी साल उन्हें जीएसटी सहायक आयुक्त का पद मिला। भर्ती के समय आयोग के अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी थे। सोनवानी भर्ती घोटाले के आरोप में जेल में बंद हैं। हालांकि, अंचला के चयन में किसी अनियमितता की पुष्टि अभी नहीं हुई है। इसके बाद लेखा अधिकारी से पदोन्नत होकर जीएसटी सहायक आयुक्त बनीं।

पूर्व में मंत्री से भी हुई थी शिकायत

विभागीय सूत्रों के अनुसार, रायपुर में पदस्थापना के दौरान अंचला के खिलाफ लगातार लेनदेन की शिकायत मंत्री और विभागीय आयुक्त तक पहुंची थी। तब समझाइश देकर मामला शांत कर दिया गया था।

टीम का हिस्सा नहीं, फिर भी जांच करने पहुंची

सूत्रों के मुताबिक, कुछ महीने पहले ही अंचला का रायपुर से कांकेर तबादला हुआ था। उन पर निर्धारित अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर वाहनों की जांच करने का आरोप है। जगदलपुर डिवीजन में ई-वे बिल जांच के लिए नौ नंबर की अलग टीम बनी है। टीम में डीसी शंकर सिंह जानसन और एसटी को रिपुदमन चंद्रा सहित अन्य कर्मी शामिल हैं। सवाल उठ रहा है कि जब अंचला टीम का हिस्सा नहीं थी तो जांच करने कैसे पहुंचीं ? उनकी इन गतिविधियों की जानकारी इस टीम को कैसे नहीं मिली ?



भिलाई इस्पात संयंत्र में 7वें लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन के माध्यम से सुरक्षा पर व्यापक संवाद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्रा ने कहा - सुरक्षा सर्वोपरि, हर कार्मिक की सुरक्षित घर वापसी हो सुनिश्चित



सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार आयोजित किए जा रहे लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन की कड़ी में 7वें एलजीआई का आयोजन 21 नवम्बर 2026 को मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में किया गया।

इस अवसर पर संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार तथा कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) बी.के. बेहेरा ने अधिकारियों, कार्मिकों, पर्यवेक्षकों, ठेका श्रमिकों एवं सेफ्टी वॉरियर्स के साथ सीधा संवाद किया तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी) सुश्री पुष्पा एम्ब्रोस, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रशांत ओझा तथा महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन-एल एंड डी) एस के श्रीवास्तव सहित संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का उद्देश्य मेरा क्षेत्र, मेरी जिम्मेदारी (एमएमआर) की भावना को प्रोत्साहित करना, सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करना तथा लाइन ऑफ फायर से जुड़े संभावित खतरों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान कार्यस्थल पर मोबाइल फोन के उपयोग से बचने, सीमित स्थानों (कन्फाइंड स्पेस) में सुरक्षित तरीके से कार्य करने तथा एफआरटी हेलमेट के उपयोग को प्रोत्साहित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

लाइन ऑफ फायर के अंतर्गत अनियंत्रित ऊर्जा मुक्त होने से उत्पन्न जोखिमपूर्ण स्थितियों तथा उनसे बचाव के उपायों पर चर्चा की गई। साथ ही, कार्यस्थल पर संभावित खतरों की पहचान कर जोखिमों का आकलन करने और निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए आवश्यक सावधानियां बरतने के महत्व पर जोर दिया गया।

मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी) सुश्री पुष्पा एम्ब्रोस ने कार्यस्थल पर सुरक्षित कार्य पद्धतियों तथा सुरक्षा संबंधी प्रमुख पहलों पर प्रस्तुति दी। लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन के दौरान निदेशक प्रभारी, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार तथा कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) बी.के. बेहेरा ने अधिकारियों, कार्मिकों, पर्यवेक्षकों एवं सेफ्टी वॉरियर्स से सीधे संवाद करते हुए उन्हें कार्यस्थल पर सुरक्षा से संबंधित अपने अनुभव एवं सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षा प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है और सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रत्येक स्तर पर सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कार्मिकों को किसी भी असुरक्षित कार्य अथवा स्थिति की सूचना देने तथा व्यवस्था में सुधार के लिए अपने सुझाव साझा करने हेतु भी प्रोत्साहित किया। संयंत्र में शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक पाली के उपरांत हर कार्मिक की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के दौरान कार्मिकों के साथ सड़क सुरक्षा उपायों, निकट-दुर्घटना की घटनाओं, कार्य अनुमति (परमिट-टू-वर्क) प्रक्रियाओं के मानकीकरण तथा सुरक्षा प्रोटोकॉल को अधिक प्रभावी बनाने में टूलबॉक्स टॉक की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

ठेका श्रमिकों के बीच सकारात्मक सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करने में बीएसपी कार्मिकों की भूमिका को भी रेखांकित किया गया। मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) प्रशांत ओझा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) सुश्री नवनीता चौहान ने किया।

खास खबर

सेक्टर-7 हाई स्कूल मैदान में नित्या इलेवन महिला क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 के पांचवें संस्करण का हुआ आयोजन



इंद्रजीत सिंह छोटू ने बढ़ाया महिला खिलाड़ियों का उत्साह

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



सेक्टर-7 हाई स्कूल मैदान में आयोजित नित्या इलेवन महिला क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 के पांचवें संस्करण में सर्व कल्याण समाज के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू शामिल हुए और महिला एवं बालिका खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजक श्रीमती रानू प्रधान द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में बालिका एवं महिला टीमों के लिए अलग-अलग क्रिकेट मुकाबलों का आयोजन किया गया है।

इस तरह के आयोजन बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने, अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और आत्मविश्वास के साथ अपनी अलग पहचान बनाने का बेहतरीन मंच प्रदान करते हैं। इस अवसर पर इंद्रजीत सिंह छोटू ने आयोजक श्रीमती रानू प्रधान एवं प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी खिलाड़ियों को इस सराहनीय आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री साय के रिसाली आगमन की तैयारियों को लेकर भाजपा की बैठक, विधायक ललित चंद्राकर का हुआ भव्य अभिनंदन

रिसाली। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आगामी रिसाली प्रवास की तैयारियों को लेकर विजया भवन रिसाली में रिसाली मंडल एवं मरोदा-पुरैना मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री के स्वागत कार्यक्रम को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई। साथ ही दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर को भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किए जाने पर दोनों मंडलों के कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य अभिनंदन किया।

बैठक में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कार्यक्रम स्थल, स्वागत व्यवस्था, मंच संचालन, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों, जनसंपर्क तथा आम जनता की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर मुख्यमंत्री का रिसाली की धरती पर पूरे उत्साह, अनुशासन और भव्यता के साथ स्वागत करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर को ओबीसी मोर्चा का राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने गजमाला और पुष्पहार पहनाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह नियुक्ति दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। संगठन के प्रति समर्पण, सहजता और जमीनी स्तर पर सक्रियता के चलते उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना प्रदेश के कार्यकर्ताओं के लिए सम्मान की बात है।

अभिनंदन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का रिसाली आगमन हम सभी के लिए सौभाग्य का अवसर है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी ताकत और एकजुटता के साथ जुटना होगा। सभी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में मुख्यमंत्री के आगमन की जानकारी आमजन तक पहुंचाएं और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी मिलने पर पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उस पर खरा उतरने के लिए वे सदैव प्रयासरत रहेंगे।

बैठक में रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, मरोदा-पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, रिसाली मंडल प्रभारी शिवेन्द्र परिहार, मरोदा-पुरैना मंडल प्रभारी दिनेश देवांगन, जिला मंत्री शैलेन्द्र शेंडे, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, सांसद प्रतिनिधि दीपक चंद्राकर, महामंत्री दशरथ साहू, नरेन्द्र निर्मलकर, गुड्डू झा, पुनाराम कलिहारी सहित दोनों मंडलों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के अंत में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। सभी ने संगठनात्मक एकजुटता के साथ पूरी निष्ठा से दायित्व निभाने का संकल्प लिया।



ई-रिक्शा में क्यूआर कोड से मिलेगी चालक और वाहन की पूरी जानकारी

यात्रियों की सुरक्षा के लिए दुर्ग पुलिस की एक अनूठी पहल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई



यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं भरोसेमंद बनाने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस ने एक अनूठी पहल शुरू की है। इसके तहत जिले में संचालित ऑटो एवं ई-रिक्शा में विशेष क्यूआर कोड स्टिकर लगाए जाएंगे तथा चालकों को डिजिटल पहचान पत्र (आईडी कार्ड) वितरित किए जाएंगे। क्यूआर कोड स्कैन करते ही यात्री संबंधित वाहन और चालक की सत्यापित जानकारी मोबाइल पर प्राप्त कर सकेंगे।

उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल के निर्देशन में 22 नवंबर 2026 को ई-रिक्शा डिजिटल क्यूआर कोड एवं पहचान पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर एसएसपी विजय अग्रवाल ने ऑटो एवं ई-रिक्शा में क्यूआर कोड स्टिकर लगाकर तथा हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया। उन्होंने बताया कि आगामी एक सप्ताह के भीतर जिले में संचालित सभी ऑटो एवं ई-रिक्शा में क्यूआर कोड स्टिकर लगाने के साथ चालकों को पहचान पत्र वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस डिजिटल व्यवस्था के तहत प्रत्येक पंजीकृत ई-रिक्शा को एक विशिष्ट क्यूआर कोड दिया जा रहा है। वाहन में लगे क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन करने पर यात्रियों को वाहन और उसके चालक की सत्यापित जानकारी मिल सकेगी। इससे यात्रियों को वाहन एवं चालक की पहचान करने में आसानी होगी। साथ ही किसी शिकायत, संदिग्ध गतिविधि अथवा आपातकालीन स्थिति में पुलिस तक सूचना पहुंचाने और संबंधित वाहन की पहचान करने में भी मदद मिलेगी।

पुलिस की इस पहल से विशेष रूप से महिला यात्रियों और बच्चों की सुरक्षा को मजबूती मिलने की उम्मीद है। क्यूआर कोड व्यवस्था से ऑटो एवं ई-रिक्शा संचालन में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और जवाबदेही बढ़ेगी। इसके माध्यम से आपराधिक घटनाओं की रोकथाम तथा संदिग्ध गतिविधियों की पहचान में भी सहायता मिलेगी। यह कदम तकनीक आधारित स्मार्ट पुलिसिंग और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान दुर्ग पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को जनसहयोग से प्रभावी बनाने की दिशा में भी पहल की गई। एसएसपी विजय अग्रवाल ने ऑटो एवं ई-रिक्शा में नशे के विरुद्ध सूचना देने के लिए जारी हेल्पलाइन नंबर से संबंधित स्टिकर भी लगवाए। इसका उद्देश्य आम नागरिकों को नशे के कारोबार की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने के लिए प्रेरित करना है, ताकि नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

इस पूरी डिजिटल व्यवस्था के तकनीकी संचालन एवं क्रियान्वयन में जनहित आर. फाउंडेशन की तकनीकी टीम तथा आरोग्यम हॉस्पिटल भिलाई का विशेष सहयोग मिल रहा है। कार्यक्रम में आरोग्यम हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. नवीन राम दारूका, जनरल मैनेजर सुमित घोषाल तथा ऑटो एवं ई-रिक्शा संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दुर्ग पुलिस की यह पहल यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ पुलिस और आम नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में भी सहायक होगी। पुलिस का उद्देश्य जिले में सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था विकसित करना है।

ब्लास्ट फर्नेस-8 (महामाया) ने रचा इतिहास

22 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन का ऐतिहासिक कीर्तिमान, सेल में सबसे तेज उपलब्धि



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस-8 (महामाया) ने हॉट मेटल उत्पादन के क्षेत्र में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज करते हुए 15 नवम्बर 2026 को 22 मिलियन टन संचयी हॉट मेटल उत्पादन का आंकड़ा पार कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि फर्नेस के निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन, परिचालन दक्षता और उत्पादन क्षमता का परिचायक है।

2 फरवरी 2018 को कमीशन किए गए ब्लास्ट फर्नेस-8 (महामाया) ने मात्र 3,208 दिनों में 22 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन का लक्ष्य हासिल किया। इसके साथ ही यह सेल की अन्य इकाइयों के समान क्षमता वाले फर्नेसों में सबसे कम समय में 22 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन का आंकड़ा प्राप्त करने वाला फर्नेस बन गया है।

उल्लेखनीय है कि फर्नेस ने 21 मिलियन टन से 22 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन तक का सफर मात्र 128 दिनों में पूरा किया। यह उपलब्धि फर्नेस के निरंतर बेहतर परिचालन प्रदर्शन, कार्यकुशलता और कार्मिकों के समर्पित प्रयासों को दर्शाती है।

इस उपलब्धि पर मुख्य महाप्रबंधक (आयरन) श्री मनोज कुमार एवं मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) श्री विवेक वर्मा ने ब्लास्ट फर्नेस बिरादरी को बधाई दी। उन्होंने टीम के समर्पण, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता और निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। साथ ही उत्पादकता, परिचालन दक्षता में और सुधार लाने तथा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बेहतर कार्य निष्पादन का क्रम बनाए रखने के लिए कार्मिकों को प्रोत्साहित किया। इस दौरान विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

बलौदाबाजार करंट हादसे में दिवंगत परिवार को श्रद्धांजलि; शोकसभा में उमड़ा समाज

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



बलौदाबाजार शहर में हुए दर्दनाक करंट हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों के असामयिक निधन से पूरा समाज गहरे शोक में डूब गया है। घर में सफाई के दौरान लोहे के पाइप में करंट प्रवाहित होने से कारोबारी स्वर्गीय राकेश गुप्ता, उनकी धर्मपत्नी स्वर्गीय वर्षा गुप्ता और 22 वर्षीय पुत्र स्वर्गीय ओम गुप्ता गंभीर रूप से झुलस गए थे। एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में तीनों इस हृदयविदारक हादसे का शिकार हो गए। हादसे में राकेश गुप्ता और ओम गुप्ता का निधन हो गया था, वहीं रायपुर के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान वर्षा गुप्ता ने भी अंतिम सांस ली।

इस दुखद घटना को लेकर आज समाज की ओर से एक शोकसभा का आयोजन किया गया। सभा में उपस्थित सभी सामाजिक बंधुओं ने 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

विद्युत और सड़क सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक : शोकसभा के दौरान समाज के लोगों को जीवन सुरक्षा के प्रति भी गंभीरता से जागरूक किया गया। कसौधन वैश्य समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शारदा गुप्ता ने समाजजनों को संबोधित करते हुए कहा कि - "घर में सफाई, मरम्मत या किसी भी विद्युत कार्य के दौरान अत्यंत सावधानी बरतें। गीले हाथों से स्विच, लोहे के पाइप या बिजली के उपकरणों को न छूएं। घर की वायरिंग की समय-समय पर जाँच कराएं और किसी भी तरह की गड़बड़ी दिखने पर तुरंत बिजली विभाग या जानकार इलेक्ट्रीशियन से संपर्क करें। हमारी एक छोटी-सी लापरवाही पूरे हँसते-खेलते परिवार को उजाड़ सकती है।"

इसके साथ ही कसौधन वैश्य समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शारदा गुप्ता एवं अन्य पदाधिकारियों ने सामाजिक बंधुओं से अपील की कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें तथा सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं।

प्रशासन से जन-जागरूकता अभियान की मांग : समाज के संरक्षक धनीराम गुप्ता ने कहा कि समाज में सुरक्षा के प्रति बेहद गंभीरता से जनजागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। भारी संख्या में उपस्थित कसौधन वैश्य समाज भिलाई के सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया, इस अवसर पर समाज की ओर से शासन-प्रशासन से भी आग्रह किया गया कि भविष्य में इस प्रकार के दर्दनाक हादसों को रोकने के लिए व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए।

शोकसभा में प्रमुख उपस्थिति : शोकसभा में प्रमुख रूप से संरक्षक धनीराम गुप्ता, अध्यक्ष श्याम गुप्ता, सुनील गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष एवं कसौधन वैश्य समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शारदा गुप्ता, योगेश गुप्ता, नमित गुप्ता, महिला अध्यक्ष अर्चना गुप्ता, सचिव राकेश गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष गुप्ता, रमन लालचंद गुप्ता, पूनम चंद गुप्ता, गौरी शंकर गुप्ता (मन्नू गुप्ता), अखिलेश गुप्ता, माया गुप्ता, रीता गुप्ता एवं गोलू गुप्ता, विकास गुप्ता, विष्णु दत्त, नमन गुप्ता सहित समाज के अनेक प्रमुख कार्यकर्ता और सहित महिलाएं भी उपस्थित रही।

दुर्ग पुलिस की नशे के अवैध कारोबार पर तीन थाना क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई - चार आरोपी गिरफ्तार व दो अपचारी बालक पकड़े गए

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

5 .366 किलोग्राम गांजा सहित नगदी और अन्य सामग्री जप्त



दुर्ग पुलिस द्वारा जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 22 नवंबर 2026 को थाना नेवई, मोहन नगर एवं पद्मनाभपुर पुलिस द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर गांजा बिक्री में संलिप्त पांच वयस्क आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा दो अपचारी बालकों को पकड़ा गया। तीनों प्रकरणों में कुल 5.366 किलोग्राम गांजा जप्त किया गया है।

थाना नेवई

22 नवंबर 2026 को थाना नेवई पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि मौहारी मरोदा स्थित हमर क्लीनिक के पास रहने वाला गोपी राव उर्फ विक्की अपने घर के आंगन में अवैध रूप से गांजा बिक्री हेतु रखा है। सूचना की तस्दीक कर पुलिस टीम द्वारा स्वतंत्र गवाहों के साथ मौके पर दबिश दी गई तथा घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा गया।

तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक स्टील का ढक्कनदार डिब्बा एवं एक झिल्ली में रखा कुल 1.322 किलोग्राम गांजा, जिसकी कीमत लगभग 65,000 है, बरामद कर जप्त किया गया। आरोपी को अपराध क्रमांक 793/2026, धारा 20(ख) एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल दुर्ग भेजा गया।

थाना मोहन नगर

22 नवंबर 2026 को प्रात: 07:10 बजे थाना मोहन नगर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्रीन चौक निवासी राहुल गाड़ा धमधा रोड सब्जी मंडी में युवकों को गांजा बेच रहा है। सूचना पर वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण कर पुलिस टीम एवं स्वतंत्र गवाहों के साथ मौके पर दबिश दी गई।

पुलिस टीम को देखकर मुख्य संदेही राहुल गाड़ा मौके से फरार हो गया। मौके पर उपस्थित धनेश्वर मानिकपुरी एवं दो अपचारी बालकों को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से कुल 2.028 किलोग्राम गांजा, जिसकी कीमत लगभग 1,00,000, नगदी रकम 2,690 एवं मोबाइल फोन जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 861/2026, धारा 20(ख), 27(क) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। दोनों अपचारी बालकों के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। फरार संदेही की तलाश जारी है।

थाना पद्मनाभपुर

21 नवंबर 2026 को थाना पद्मनाभपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि हनोदा पेट्रोल पंप के पीछे मानसरोवर कॉलोनी स्थित एक मकान के स्टोर रूम में दो व्यक्ति अवैध रूप से गांजा बिक्री कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई तथा दोनों व्यक्तियों को पकड़ा गया।

पूछताछ में दोनों की पहचान चैतन्य बाघ उर्फ शिवम एवं हरिश मुगरी के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से कुल 2.016 किलोग्राम गांजा, बिक्री की नगदी रकम 1,300, दो मोबाइल फोन, एक बटनदार धारदार हथियार एवं अन्य सामग्री जप्त की गई। आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 769/2026, धारा 20(J)(ii)(b) एनडीपीएस एक्ट एवं 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर 22 नवंबर 2026 को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया।

गिरफ्तार आरोपी में थाना नेवई: गोपी राव उर्फ विक्की, उम्र 36 वर्ष, निवासी हमर क्लीनिक के पास, मौहारी मरोदा, थाना मोहन नगर: धनेश्वर मानिकपुरी, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्रीन चौक, थाना पद्मनाभपुर: चैतन्य बाघ उर्फ शिवम, उम्र 19 वर्ष एवं हरिश मुगरी, उम्र 20 वर्ष, निवासी टगड़ा नगर शामिल है।

जप्त सामग्री - कुल 5.366 किलोग्राम गांजा, नगदी रकम 3,990 एवं मोबाइल फोन सहित अन्य सामग्री। दुर्ग पुलिस की अपील - मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी तत्काल नजदीकी थाना अथवा पुलिस कंट्रोल रूम को दें।

अरुण वोरा को जन्मदिन पर मिला लोगों का स्नेह, सुबह से देर शाम तक लगा रहा बधाई देने वालों का तांता

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा का जन्मदिन 22 नवंबर को उत्साह और आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पद्मनाभपुर स्थित उनके निज निवास पर सुबह से देर शाम तक बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। राजनीतिक, सामाजिक, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों की भारी भीड़ ने पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। पूरे दिन उनका निवास जनमिलन के केंद्र के रूप में गुलजार रहा।

जन्मदिन के अवसर पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, सांसद विजय बघेल, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, वरिष्ठ नेता प्रमोद चौबे, धर्मेंद्र यादव एवं दुर्ग की महापौर अलका बाघमार सहित अनेक राजनीतिक हस्तियों ने उनके निवास पहुंचकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के छत्तीसगढ़ पवेलियन में दुर्लभ पांडुलिपियों व ताम्रपत्रों का हुआ प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / ooooo

भारत व्यापार संवर्धन संगठन (ITPO) द्वारा आयोजित 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (नई दिल्ली पर्व 2026) में छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की झलक दिख रही है। भारत मंडपम के हॉल नंबर 4 के प्रथम तल पर 1,000 वर्ग मीटर में फैले छत्तीसगढ़ पवेलियन में राज्य के पुरातत्व विभाग द्वारा दुर्लभ पांडुलिपियों, ताम्रपत्रों और ऐतिहासिक अभिलेखों का प्रदर्शन किया जा रहा है। आचार्य रमेंद्रनाथ मिश्र के संग्रह से जुड़ी ये धरोहरें प्रदर्शनी में विशेष आकर्षण बनी हुई हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 20 नवंबर को भारत मंडपम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में हुए शामिल हुए और छत्तीसगढ़ पवेलियन में संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान अब बदल रही है। जिस बस्तर और छत्तीसगढ़ की चर्चा कभी नक्सलवाद और चुनौतियों के संदर्भ में होती थी, आज वही प्रदेश अपनी समृद्ध जनजातीय विरासत, जीवंत लोक संस्कृति, प्राकृतिक सौंदर्य और विकास की नई संभावनाओं के साथ देश-



दुनिया के सामने नई पहचान बना रहा है। भारत मंडपम में आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में नजर आया छत्तीसगढ़ का स्वरूप इसी बदलते दौर की कहानी बयां कर रहा है। यहां परंपरा और आधुनिकता, विरासत और विकास तथा स्थानीय हुनर और आर्थिक संभावनाओं का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है।

प्रदर्शनी की प्रमुख ऐतिहासिक धरोहरें : कल्चुरि काल की औषधीय पांडुलिपियां व ताम्रपत्र, रतनपुर के कल्चुरि काल में रचित खूब तमाशा और नासकेत नामक औषधीय पांडुलिपियां प्रदर्शित की गई हैं। इसके साथ ही रायपुर के कल्चुरि राजवंश के अंतिम शासक अमर सिंह देव द्वारा जारी 1735 ईस्वी का ताम्रपत्र भी रखा गया है, जो क्षेत्र के राजनीतिक और प्रशासनिक इतिहास का अहम साक्ष्य है। गढ़ामंडल की वीरांगना रानी दुर्गावती के युग से संबंधित स्वर्णाक्षरित दुर्लभ पाण्डुलिपि इस प्रदर्शनी का एक महत्वपूर्ण आकर्षण है। रामायण विषयक दुर्लभ पांडुलिपि गोस्वामी तुलसीदास की शिष्य परंपरा से संबंधित सुषेनदास महाराज की दुर्लभ पांडुलिपि भी प्रदर्शनी में शामिल है।

छत्तीसगढ़ के इतिहास की प्रथम पांडुलिपि : बाबू रेवाराम छत्तीसगढ़ के एक अत्यंत प्रतिष्ठित इतिहासकार, कवि और विद्वान थे, जिन्होंने रतनपुर (बिलासपुर जिला) को अपनी कर्मभूमि बनाया। उनके इस ग्रंथ से छत्तीसगढ़ के हैहैय वंशी (कलचुरी) राजाओं के इतिहास और उनके शासनकाल के बारे में अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रामाणिक जानकारियां मिलती हैं। वर्ष 1858 में बाबू रेवाराम कायस्थ पण्डित द्वारा लिखित तवारीख-ए-हैहैय राजाओं की, को छत्तीसगढ़ के इतिहास की पहली पांडुलिपि माना जाता है, जो क्षेत्रीय व राजवंशीय अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण दस्तावेज है। ग्वालियर के महाराजा दौलतराव सिंधिया के शासनकाल की मोड़ी लिपि में हस्तलिखित कर-संबंधी सनद तत्कालीन राजस्व और प्रशासनिक व्यवस्था की जानकारी देती है।

प्रथम विश्वयुद्ध से पूर्व का व्यय विवरण : पंडित रघुवंशनाथ ठाकुर बिलासपुर के एक प्रतिष्ठित और प्रबुद्ध नागरिक थे, जिन्होंने ई. राघवेंद्र राव (जो आगे चलकर मध्य प्रांत और बरार के मुख्यमंत्री/गवर्नर बने) का मार्गदर्शन किया था। ई. राघवेंद्र राव के गुरु रहे पंडित रघुवंशनाथ ठाकुर द्वारा हस्तलिखित व्यय विवरणिका प्रथम विश्वयुद्ध के पूर्व वर्ष में छत्तीसगढ़ की आर्थिक व वित्तीय स्थिति पर प्रकाश डालती है। यह ऐतिहासिक दस्तावेज छत्तीसगढ़ की तत्कालीन आर्थिक व्यवस्था, दैनिक जीवन की वस्तुओं के मूल्यों और वित्तीय प्रबंधन को समझने का एक अमूल्य स्रोत है। प्रथम विश्व युद्ध (1914) से ठीक पहले के वर्ष यानी सन् 1913 के आसपास की यह हस्तलिखित व्यय विवरणिका बिलासपुर और पूरे छत्तीसगढ़ अंचल के आर्थिक इतिहास का जीवंत दस्तावेज है।

जेल पत्रिका व चित्रित पांडुलिपियां : देश की एकमात्र जेल पत्रिका मानी जाने वाली द्विमासिक व सचित्र श्रीकृष्ण जन्मस्थान समाचार पत्र की मूल प्रति तथा दुर्लभ चित्रित पांडुलिपियां भी प्रदर्शित की गई हैं। श्रीकृष्ण जन्मस्थान समाचार पत्र भारत की पहली हस्तलिखित जेल पत्रिका मानी जाती है, जिसका संपादन और प्रकाशन छत्तीसगढ़ के गांधी कहे जाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित सुंदरलाल शर्मा ने साल 1921-22 (कुछ संदर्भों में 1922-23) में रायपुर जेल में रहते हुए किया था। असहयोग आंदोलन के दौरान जब वे जेल में बंद थे, तब उन्होंने इस अनूठी सचित्र और द्विमासिक पत्रिका के कुल 6 अंक तैयार किए थे। इस पत्रिका में उन्होंने अंग्रेजों और जेल अधिकारियों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा कैदियों के साथ किए जाने वाले दुर्व्यवहार, अमानवीय व्यवहार और जेल के भीतर की कठोर परिस्थितियों का सजीव वर्णन किया था

भारत व्यापार संवर्धन संगठन द्वारा आयोजित 45वां भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 13 से 27 नवंबर 2026 तक चलेगा। इस आयोजन के माध्यम से छत्तीसगढ़ अपनी प्राचीन विरासत और आधुनिक विकास की तस्वीर को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत कर रहा है। भारत मंडपम के हॉल नंबर 4 के प्रथम तल पर 1000 वर्गमीटर क्षेत्र में स्थापित छत्तीसगढ़ पवेलियन में इन ऐतिहासिक धरोहरों के साथ प्रदेश की पारंपरिक कला, शिल्प, स्थानीय उत्पादों और विकास की संभावनाओं को भी प्रस्तुत किया जा रहा है। पवेलियन का स्टॉल नंबर 4F-03-A है।

खास खबर

मुख्यमंत्री साय ने जशपुर जिले के पमशाला में 1 करोड़ 97 लाख 56 हजार रुपये की लागत के विकास कार्यों का किया लोकार्पण व भूमिपूजन



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-जशपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पमशाला में 1 करोड़ 97 लाख 56 हजार रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें महतारी सदन, सामुदायिक भवन, सड़क और पुलिया निर्माण के कार्य शामिल हैं। इन विकास कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होने के साथ ही महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर ग्राम गंझियाडीह, उपरकछार, सिकरिमा और अंबाकछार में 30-30 लाख रुपये की लागत से बनने वाले चार महतारी सदनों का भूमिपूजन किया। कुल 1 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से बनने वाले ये महतारी सदन ग्रामीण महिलाओं के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र बनेंगे। यहां महिलाओं को एक साथ बैठकर विभिन्न गतिविधियों के संचालन, आपसी संवाद और स्वरोजगार से जुड़ी पहल को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम तुवा, सिकरिमा, धौरासांड और मेंडरबहार में 13 लाख 27 हजार रुपये प्रति भवन की लागत से बनने वाले चार सामुदायिक भवनों का भी भूमिपूजन किया। इन भवनों के निर्माण से ग्रामीणों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक आयोजनों के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने ग्राम पमशाला के बेराटोली में भजनो घर के पास 10 लाख रुपये की लागत से बनने वाली पुलिया का भूमिपूजन किया। उन्होंने पमशाला में मुख्य मार्ग से मंदिर तक 14 लाख 48 हजार रुपये की लागत से निर्मित सीसी सड़क का लोकार्पण भी किया। सड़क और पुलिया के निर्माण से स्थानीय नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि गांवों का विकास ही प्रदेश की समृद्धि का आधार है। हमारी सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी और अन्य बुनियादी सुविधाओं का निरंतर विस्तार हो तथा विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि गांवों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि ग्रामीणों का जीवन अधिक सहज और सुविधाजनक बन सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण हमारी सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ ही अब महतारी सदनों के जरिए उन्हें सामाजिक और सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि महतारी सदन केवल भवन नहीं, बल्कि गांव की माताओं-बहनों के लिए आगे बढ़ने, अपनी प्रतिभा निखारने और आत्मनिर्भर बनने के नए अवसरों के केंद्र होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। सड़क, पुलिया और सामुदायिक भवन जैसी सुविधाएं गांवों के दैनिक जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

मानव जीवन को परोपकार, सेवा और जरूरतमंदों की सहायता में लगाना ही सबसे बड़ा धर्म : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राधा-कृष्ण मंदिर में की पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन में हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-जशपुर



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पमशाला में ईंब नदी के तट पर स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर (कंवर धाम) में आयोजित कार्तिक मास के भजन-कीर्तन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी एवं कंवर समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कौशल्या साय के साथ भगवान श्री राधा-कृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय और श्रीमती कौशल्या साय ने श्रद्धालुओं एवं कीर्तन मंडलियों के साथ मंजीरा बजाकर भजन-कीर्तन में सहभागिता की। भगवान श्री राधा-कृष्ण के भजनों और संकीर्तन से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर क्षेत्र की सभी 62 कीर्तन मंडलियों को वाद्य यंत्र, वेशभूषा एवं अन्य आवश्यक सामग्री क्रय करने के लिए शासन की ओर से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भजन-कीर्तन हमारी समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। इन परंपराओं को जीवंत बनाए रखने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए सरकार हरसंभव सहयोग करेगी।

उल्लेखनीय है कि ग्राम पमशाला स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर में 27 अक्टूबर से कार्तिक मास के अवसर पर प्रतिदिन सुबह 8 बजे और शाम 5 बजे से भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें क्षेत्र की 62 कीर्तन मंडलियां पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ सहभागिता कर रही हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर भगवान श्री राधा-कृष्ण की आराधना कर रहे हैं। महीने भर चलने वाले इस धार्मिक आयोजन का समापन 24 नवंबर को होगा।

परोपकार और सेवा में ही मानव जीवन की सार्थकता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ और अनमोल है। इसकी वास्तविक सार्थकता दूसरों के काम आने, जरूरतमंदों की सहायता करने और समाज के कल्याण के लिए कार्य करने में है। दूसरों के दुख-दर्द को समझना और उनकी पीड़ा दूर करने का प्रयास करना ही सबसे बड़ा धर्म है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी धार्मिक परंपराएं केवल आस्था और पूजा-पाठ तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे हमें सेवा, सद्भाव, परोपकार और एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी का संदेश भी देती हैं। ऐसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और एकजुटता को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा और विकास के साथ नई पीढ़ी का अपनी संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जुड़े रहना भी उतना ही आवश्यक है।

लोक संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्तिक मास के दौरान निरंतर भजन-कीर्तन करने वाली सभी 62 मंडलियों के अध्यक्षों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन मंडलियों के समर्पण और श्रद्धा से हजारों लोगों को भगवान श्री राधा-कृष्ण की भक्ति और आध्यात्मिक आनंद का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं से है। कर्मा, दमकच, झूमर और महादेव नाचा जैसी लोक सांस्कृतिक विधाएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं। इन परंपराओं में हमारे पूर्वजों का ज्ञान, जीवन दर्शन और सामाजिक एकता की भावना समाहित है। इन्हें सहेजना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी का साझा दायित्व है।

जशपुर में मेडिकल की पढ़ाई शुरू होना ऐतिहासिक उपलब्धि

मुख्यमंत्री श्री साय ने जशपुर जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य और अधोसंरचना के क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि जशपुर में मेडिकल की पढ़ाई शुरू होना जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे क्षेत्र के युवाओं को चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें अपने ही जिले में आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों के युवाओं को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार के अवसर उपलब्ध हों। जशपुर में चिकित्सा शिक्षा की शुरूआत से न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा, बल्कि आने वाले समय में जिले की स्वास्थ्य सेवाएं भी अधिक सुदृढ़ होंगी।

कंवर समाज के गौरवशाली इतिहास और संत गहिरा गुरु महाराज के योगदान को किया याद

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कंवर समाज के गौरवशाली इतिहास और सामाजिक योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर सामाजिक जागरण और सांस्कृतिक संरक्षण तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने महान संत गहिरा गुरु महाराज के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन तपस्या, समाज सुधार और जनजातीय समाज के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। संत गहिरा गुरु महाराज ने रामायण की शिक्षा और आध्यात्मिक जागरण के माध्यम से समाज को सदाचार, अनुशासन और नैतिक जीवन का मार्ग दिखाया। उन्होंने लोगों को नशे और मांसाहार से दूर रहकर सात्विक जीवन अपनाने की प्रेरणा दी। मुख्यमंत्री ने कंवर धाम के केंद्रीय कार्यालय की स्थापना और समाज की गतिविधियों को आगे बढ़ाने में योगदान देने वाले दिवंगत समाजजनों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि समाज के विकास और संगठन को मजबूत बनाने में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।

मोदी की गारंटी को धरातल पर उतार रही प्रदेश सरकार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार जनकल्याण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। मोदी की गारंटी के तहत किए गए वादों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रदेश में 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त आवास प्लस 2024 के तहत 3 लाख 65 हजार आवास भी प्राप्त हुए हैं। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने निर्धारित खरीदी सीमा और वास्तविक उत्पादन के अंतर के संबंध में भी किसानों को आर्थिक लाभ उपलब्ध कराने की बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 68 लाख माताओं-बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत अब तक 55 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं। भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। इसी प्रकार तेंदूपत्ता संग्राहकों का पारिश्रमिक बढ़ाकर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा किया गया है और चरण पादुका योजना भी पुनः प्रारंभ की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना और प्रत्येक परिवार के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से घर बैठे मिलेगा समस्याओं का समाधान

मुख्यमंत्री श्री साय ने सुशासन और नागरिक सुविधाओं के विस्तार की जानकारी देते हुए कहा कि आम लोगों को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की सुविधा शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि बिजली ट्रांसफार्मर बदलने, फौती नामांतरण, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र तथा थाने में रिपोर्ट दर्ज नहीं होने जैसी समस्याओं के संबंध में नागरिक 24 घंटे, सातों दिन हेल्पलाइन नंबर 1076 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। संबंधित विभागों के माध्यम से इन शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री ने सेवा सेतु पोर्टल का उल्लेख करते हुए कहा कि अब नागरिक अपने मोबाइल से आवेदन कर घर बैठे विभिन्न प्रमाण पत्रों एवं शासकीय सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी और जनहितैषी बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने फरसाबहार क्षेत्र के पंडरपानी और बंदरचुआ में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता बढ़ने से स्थानीय नागरिकों को आर्थिक लेनदेन और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा हो रही है।

इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद रणविजय सिंह जूदेव, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, पूर्व विधायक भरत साय, नगर पालिका जशपुर के उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, जिला पंचायत सदस्य वेद प्रकाश भगत, कंवर समाज के पूर्व अध्यक्ष आर. एन. साय, कंवर समाज महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती स्वधा साय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक कुमार सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कीर्तन मंडलियों के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

घोषणा

ग्राम चरौदा में विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन, सिंचाई, सड़क, बिजली और ग्रामीण अधोसंरचना को मिलेगी मजबूती

मुख्यमंत्री ने धरसींवा विधानसभा क्षेत्र को दी 27.53 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर जिले के धरसींवा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चरौदा में आयोजित कार्यक्रम में 27 करोड़ 53 लाख 87 हजार रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को महत्वपूर्ण सौगात दी। इन कार्यों से क्षेत्र में सिंचाई, सड़क, विद्युत और ग्रामीण अधोसंरचना सुविधाओं का विस्तार होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक मुक्तेश्वर महादेव मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शेड निर्माण एवं पेवर ब्लॉक कार्य तथा ग्राम चरौदा में नवीन मंगल भवन निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने विधायक अनुज शर्मा के नेतृत्व में धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के सभी 144 गांवों तक पहुंचने वाली सेवा संवाद यात्रा का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद रणविजय सिंह जूदेव सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गांवों का विकास और किसानों की समृद्धि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। आज धरसींवा विधानसभा क्षेत्र में 27 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधाएं मिलेंगी, ग्रामीण सड़कों का विस्तार होगा तथा बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार एसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासस के मूलमंत्र के साथ समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही हैं। हमारा प्रयास है कि शासन की योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी को पूरा करने और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का लक्ष्य लेकर कार्य प्रारंभ किया था। सरकार ने अपनी पहली ही कैबिनेट बैठक में प्रदेश के 18 लाख परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने का निर्णय लिया। गरीब परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराने के साथ ही किसानों, महिलाओं, युवाओं और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से मुक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलताएं मिली हैं। बस्तर के जिन दूरस्थ क्षेत्रों में कभी विकास कार्यों को पहुंचाना चुनौतीपूर्ण था, वहां अब सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के हर गांव और हर अंचल तक विकास पहुंचे तथा सभी नागरिकों को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विधायक अनुज शर्मा के नेतृत्व में प्रारंभ की गई सेवा संवाद यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों का जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को समझना बहुत महत्वपूर्ण है। ग्राम चरौदा से शुरू हुई यह यात्रा धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के सभी 144 गांवों तक पहुंचेगी। इसके माध्यम से ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उनका लाभ जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचे। सेवा संवाद यात्रा इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने धरसींवा विधायक अनुज शर्मा की मांग पर ग्राम चरौदा के लिए दो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने ऐतिहासिक मुक्तेश्वर महादेव मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शेड निर्माण एवं पेवर ब्लॉक कार्य कराए जाने की घोषणा की। साथ ही ग्राम चरौदा में नवीन मंगल भवन के निर्माण की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुक्तेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र की आस्था और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां सुविधाओं के विस्तार से श्रद्धालुओं को सहूलियत मिलेगी। वहीं मंगल भवन के निर्माण से ग्रामीणों को सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक आयोजनों के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा।

सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से किसानों को मिलेगा लाभ : मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में जल संसाधन विभाग के अंतर्गत 9 करोड़ 87 लाख 48 हजार रुपए तथा जल संसाधन विभाग, तिल्दा के अंतर्गत 4 करोड़ 10 लाख 17 हजार रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस प्रकार सिंचाई से संबंधित कार्यों पर कुल 13 करोड़ 97 लाख 65 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे। इन कार्यों से क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा और किसानों को खेती-किसानी के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।

सड़क, बिजली और ग्रामीण अधोसंरचना को मिलेगी मजबूती : मुख्यमंत्री श्री साय ने लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 4 करोड़ 56 लाख 86 हजार रुपए की लागत के विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया। इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क अधोसंरचना मजबूत होगी तथा लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इसी प्रकार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत 2 करोड़ 20 लाख 19 हजार रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होने के साथ महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास से जुड़ी गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के अंतर्गत 6 करोड़ 79 लाख 17 हजार रुपए की लागत के विद्युत विकास कार्यों का भी भूमिपूजन किया। इन कार्यों से क्षेत्र की विद्युत अधोसंरचना मजबूत होगी और ग्रामीणों तथा किसानों को बेहतर विद्युत सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सिंचाई, सड़क, बिजली और सामुदायिक सुविधाओं का विकास ग्रामीणों के जीवन को आसान बनाने के साथ आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आज भूमिपूजन किए गए विकास कार्यों और नई घोषणाओं से धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी तथा क्षेत्रवासियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा।

संपादकीय

जेलों का मानवीय चेहरा
कैदियों के अधिकारों के लिए हरियाणा की पहल

निश्चित रूप से, मानव सभ्यता में जब कभी भी जेलों की शुरूआत हुई होगी, उसका मकसद भूले-भटके लोगों में सुधार करना ही रहा होगा। ताकि समाज से अलग-थलग रहकर अभियुक्त व अपराधी को आत्ममंथन करने का मौका मिल सके। जिससे वो अपने व्यवहार में सुधार ला सके। निस्संदेह, जेल की सजा किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता छीन सकती है, न कि उसकी गरिमा या संवैधानिक अधिकार। राज्य की भी जिम्मेदारी बनती है कि वह हिरासत में बंद लोगों के हितों का ध्यान रखे। लेकिन अक्सर जेलों में निर्धारित संख्या से अत्यधिक भीड़, लंबे समय तक विचाराधीन बंदियों का कैद में रहना, हिरासत में दुर्व्यवहार, अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं और खराब पुनर्वास व्यवस्था की शिकायतें मिलती हैं। जिनके प्रति जेल प्रशासन व शासन द्वारा संवेदनशील रवैया अपनाया जाना चाहिए।

ऐसे में हरियाणा सरकार की उस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए, जिसके अंतर्गत सभी बीस जेलों के लिये बोर्ड ऑफ विजिटर्स गठित करने का फैसला लिया गया है। निस्संदेह, यह प्रयास जेल प्रशासन को अधिक जवाबदेह व मानवीय बनाने की दिशा में स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, यह कदम सुप्रीम कोर्ट के अक्तूबर 2024 के उस ऐतिहासिक फैसले के आलोक में ही उठाया गया है, जिसमें कोर्ट ने जेलों के भीतर जाति-आधारित भेदभाव को असंवैधानिक घोषित किया था।

अदालत ने जेल की दीवारों के पीछे मौजूद सामाजिक ऊंच-नीच की चिंताजनक स्थिति को उजागर किया था। जहां समाज में हाशिये पर रहने वाले समुदायों के कैदियों को छोटे-मोटे और निम्न स्तर के काम सौंपे जाते थे। इस तरह उनके साथ भेदभाव किया जाता रहा। सही मायने में इस नई पहल को केवल अदालती आदेश के पालन करने तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि मॉडल प्रिजन मैनुअल-2016 और हरियाणा के अपने प्रिजन रूल्स-2022 में पहले से ही ऐसी निगरानी प्रणाली का प्रावधान रहा है। इसके बावजूद राज्यों को इन्हें लागू करने के लिये प्रेरित करने हेतु सुप्रीम कोर्ट को बार-बार हस्तक्षेप करना पड़ा है।

निस्संदेह, हरियाणा द्वारा राज्य की सभी जेलों के लिये बोर्ड ऑफ विजिटर्स गठित करने के कदम के सकारात्मक परिणामों की उम्मीद की जा सकती है। इसी क्रम में जिला-स्तरीय बोर्डों का गठन किया जा सकता है। जिसमें जिला मुख्य न्यायाधीशों की अध्यक्षता में प्रशासन,पुलिस,स्वास्थ्य सेवाओं, निर्वाचित प्रतिनिधि और नागरिक समाज के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। इससे जेलों के भीतरी प्रशासनिक व्यवस्था की आवश्यक जांच-पड़ताल हो सकेगी। इसके अंतर्गत हर तीन महीने में जेलों का निरीक्षण करने, कैदियों तक बिना किसी बाधा के पहुंच बनाने और बंदियों के रहन-सहन,स्वास्थ्य सुविधाओं तथा पुनर्वास के इंतजामों की जांच करना प्राथमिकता होनी चाहिए।

ऐसे सार्थक प्रयास करने से व्यवस्था की खामियां उजागर हो सकती हैं। लेकिन वास्तव में यह कवायद तभी सार्थक होगी, जब बोर्ड के सदस्यों को स्वतंत्र रूप से काम करने की छूट मिल सके। यदि वास्तव में ऐसा होता है तो जेल के बंदी बिना किसी जवाबी कार्रवाई के भय के अपनी शिकायतें बेबाक रूप से बोर्ड के सदस्यों के सामने रख सकते हैं। वहीं दूसरी ओर निरीक्षण रिपोर्टों के आधार पर एक निश्चित सीमा के भीतर ही कैदियों की जीवन परिस्थितियों को सुधारने के लिये कदम उठाये जाने चाहिए। तभी बोर्ड ऑफ विजिटर्स गठित करना सार्थक साबित हो सकता है। निश्चित रूप से जांच पड़ताल में सामने आए निष्कर्षों को सार्वजनिक करना अपरिहार्य होना चाहिए। ऐसा करने से जेल प्रशासन में पारदर्शिता को अधिक विस्तार दिया जा सकेगा।

निश्चित रूप से बोर्ड ऑफ विजिटर्स गठित करने की पहल के लक्ष्य सुधारात्मक होने चाहिए। ताकि जेल के भीतर सकारात्मक सुधारों के जरिये मानवीय मूल्यों की गरिमा स्थापित की जा सके। जिससे यह आक्षेप खारिज किया जा सके कि जेल सिर्फ बंदियों की उपेक्षा और अपमान के अड्डे होते हैं। हरियाणा के लिये असली परीक्षा यह होगी कि उसके नये बोर्ड न्यायिक जांच को संस्थागत बदलाव में बदल पाते हैं या नहीं। यदि ऐसा होता है तो हरियाणा के जेल सुधार पूरे देश की जेलों के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। जो जेल प्रशासन को और अधिक मानवीय बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं।

क्या मशीनों को मनुष्य की हत्या का अधिकार होगा ?

महेन्द्र तिवारी



विज्ञान ने मनुष्य को ऐसी शक्तियां प्रदान की हैं, जिनकी कल्पना कुछ दशक पहले तक असंभव लगती थी। मशीनों ने कठिन से कठिन काम आसान कर दिए हैं। चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, संचार और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में तकनीकी प्रगति ने मानव जीवन को नई दिशा दी है। लेकिन जब यही तकनीक युद्ध के मैदान में उतरकर किसी मनुष्य के जीवन और मृत्यु का निर्णय करने लगे, तब यह प्रगति एक गंभीर चिंता का विषय बन जाती है। आज दुनिया इसी चुनौती का सामना कर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संचालित घातक हथियार भविष्य के युद्धों की ऐसी तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसमें मनुष्य की जगह मशीनें लक्ष्य पहचानने और हमला करने का निर्णय ले सकती हैं।



स्वचालित घातक हथियार ऐसी प्रणालियां हैं, जो अपने आसपास की परिस्थितियों का विश्लेषण करके बिना सीधे मानवीय आदेश के किसी लक्ष्य का चयन कर सकती हैं और उस पर हमला कर सकती हैं। इनमें आधुनिक संवेदक, कैमरे, उपग्रहों से प्राप्त सूचनाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किया जाता है। इनकी कार्यक्षमता और निर्णय लेने की गति पारंपरिक हथियारों की तुलना में अधिक हो सकती है। सैन्य दृष्टि से इन्हें उपयोगी माना जा रहा है, क्योंकि इनके माध्यम से सैनिकों के जोखिम को कम करने और युद्ध संबंधी कार्रवाइयों को तेजी से पूरा करने की संभावना दिखाई देती है। लेकिन इस सुविधा के पीछे छिपा खतरा कहीं अधिक गंभीर है।

युद्ध का मैदान कोई ऐसा स्थान नहीं होता, जहां हर परिस्थिति स्पष्ट और पूर्वनिर्धारित हो। वहां भय, अफरातफरी, धुआं, भ्रम और अनिश्चितता का वातावरण रहता है। सैनिकों के बीच सामान्य नागरिक भी मौजूद होते हैं। कोई व्यक्ति हथियार उठाए दिखाई दे सकता है, किंतु संभव है कि वह अपनी सुरक्षा के लिए ऐसा कर रहा हो। कोई घायल व्यक्ति अचानक हिलने लगे तो मशीन उसे शत्रु समझ सकती है। ऐसी परिस्थितियों में केवल आंकड़ों और संकेतों के आधार पर लिया गया निर्णय निर्दोष लोगों की जान ले सकता है। मशीन के पास सूचनाओं का विश्लेषण करने की क्षमता तो हो सकती है, लेकिन उसमें मानवीय संवेदना, करुणा और विवेक नहीं होता।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि किसी स्वचालित हथियार की गलती से किसी निर्दोष व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा ? क्या हथियार बनाने वाली संस्था उत्तरदायी होगी, उसे विकसित करने वाले वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी या संबंधित सरकार ? मशीन न तो अपनी गलती स्वीकार कर सकती है और न ही उसे अपराधबोध हो सकता है। इसलिए यह आवश्यक है कि तकनीक के उपयोग के प्रत्येक चरण में मानवीय जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। जीवन और मृत्यु से जुड़े निर्णयों को पूरी तरह मशीनों के भरोसे छोड़ना सभ्यता के लिए खतरनाक हो सकता है।

इसी चिंता को लेकर संयुक्त राष्ट्र के मंच पर लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय विमर्श चल रहा है। जिनेवा में हुई हालिया वार्ताओं में भी स्वचालित घातक हथियारों को नियंत्रित करने के लिए बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय नियम बनाने की आवश्यकता पर चर्चा हुई। हालांकि तत्काल किसी सर्वमान्य समझौते पर पहुंचना संभव नहीं हुआ, लेकिन इस विषय पर आगे बातचीत जारी रखने का रास्ता खुला है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने चुनौती यह है कि वह तकनीकी विकास और मानवीय सुरक्षा के बीच संतुलन कैसे स्थापित करे। कुछ हथियारों पर पूर्ण प्रतिबंध और अन्य पर कठोर नियंत्रण की आवश्यकता पर भी विचार किया जा रहा है।

भारत जैसे देश के लिए भी यह विषय विशेष महत्व रखता है। बदलती सुरक्षा चुनौतियों के बीच आधुनिक तकनीक का उपयोग आवश्यक हो सकता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर मानवीय मूल्यों की उपेक्षा नहीं की जा सकती। रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान और तकनीकी विकास के साथ यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि किसी भी सैन्य कार्रवाई में मनुष्य का विवेक और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून सर्वोपरि रहें।

वास्तव में विज्ञान की सार्थकता इस बात में है कि वह जीवन को सुरक्षित, सरल और बेहतर बनाए। यदि वही विज्ञान मनुष्य को समाप्त करने के अधिक प्रभावी साधन विकसित करने में लग जाए, तो हमें उसकी दिशा पर पुनर्विचार करना होगा। आने वाले वर्षों में दुनिया को यह तय करना है कि मशीनों को कितनी स्वतंत्रता दी जाए और उनकी सीमाएं कहां निर्धारित हों। तकनीक की गति भले ही मानवीय सोच से आगे निकल जाए, लेकिन उसके संचालन और उपयोग की नैतिक जिम्मेदारी मनुष्य के हाथों में ही रहनी चाहिए।

अंततः सवाल यह नहीं है कि मशीन मनुष्य से अधिक तेजी से निर्णय ले सकती है या नहीं। असली सवाल यह है कि क्या उसे किसी मनुष्य का जीवन समाप्त करने का अधिकार दिया जाना चाहिए ? युद्ध में विजय प्राप्त करने की आकांक्षा यदि मानवता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न लगा दे, तो ऐसी विजय का कोई अर्थ नहीं रह जाता। मशीनें कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो जाएं, उन्हें मनुष्य की संवेदना और विवेक का स्थान नहीं दिया जा सकता। सभ्यता की असली पहचान हथियारों की शक्ति से नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा करने की उसकी क्षमता से होती है।

दुनिया में युद्ध नहीं, संवाद से बनेगी शांति

सौरभ वार्ष्णेय

आज पूरी दुनिया युद्ध, आतंकवाद, क्षेत्रीय संघर्ष, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और कूटनीतिक तनाव के दौर से गुजर रही है। कहीं सीमाओं को लेकर विवाद है तो कहीं धार्मिक और वैचारिक मतभेद हिंसा का रूप ले रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया के तनाव तक, दुनिया के सामने शांति और स्थिरता बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे समय में भारत की राजधानी नई दिल्ली में शंघाई सहयोग संगठन एससीओ के पहले सभ्यतागत संवाद मंच का आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति को एक नई दिशा देने की महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऐतिहासिक पुराना किला में इस मंच का उद्घाटन करना भारत की उस सभ्यतागत सोच को रेखांकित करता है, जिसमें युद्ध के बजाय संवाद, टकराव के बजाय सहयोग और वर्चस्व के बजाय सह-अस्तित्व को प्राथमिकता दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में उचित ही कहा कि जब दुनिया में युद्ध और अशांति की चर्चा हो रही है, तब सभ्यताओं के बीच संवाद की पहल बेहद महत्वपूर्ण है। वैश्विक शांति की सबसे मजबूत गारंटी सांस्कृतिक जुड़ाव है। यह विचार आज के अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में विशेष महत्व रखता है। दुनिया ने बार-बार देखा है कि केवल सैन्य शक्ति, हथियारों का विस्तार और आर्थिक प्रतिबंध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं दे सकते। युद्ध किसी एक देश की सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और मानवीय जीवन पर पड़ता है। ऐसे में शांति की तलाश केवल राजनीतिक समझौतों से नहीं, बल्कि समाजों और सभ्यताओं के बीच विश्वास पैदा करने से भी संभव है।

भारत की सभ्यतागत विरासत इस दिशा में उसकी सबसे बड़ी ताकत है। हजारों वर्षों से भारत ने विविधता को संघर्ष का नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व का आधार बनाया है। यहां अलग-अलग भाषाएं, धर्म, संस्कृतियां, परंपराएं और जीवन पद्धतियां एक साथ विकसित हुई हैं। भारतीय दर्शन का मूल संदेश ही वसुधैव कुटुम्बकम अर्थात पूरी दुनिया एक परिवार है। यह विचार केवल आदर्शवादी नारा नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मानवीय दृष्टिकोण से देखने की एक व्यापक अवधारणा है। भारत की यही सोच उसे वैश्विक मंचों पर संवाद और सहयोग का समर्थक बनाती है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में लगभग पांच हजार वर्ष पुराने सिंधु घाटी और मेसोपोटामिया के व्यापारिक संबंधों का उल्लेख कर यह याद दिलाया कि सभ्यताओं का विकास कभी अलग-थलग रहकर नहीं हुआ। प्राचीन व्यापार मार्गों ने भारत, चीन, मध्य एशिया और यूरोपिया के विभिन्न क्षेत्रों को आपस में जोड़ा था। इन मार्गों से केवल वस्तुओं का व्यापार नहीं होता था, बल्कि विचारों, भाषाओं, कलाओं, ज्ञान और परंपराओं का भी आदान-प्रदान होता था। यही सांस्कृतिक संपर्क मानव सभ्यता को समृद्ध बनाता रहा। इतिहास का यह उदाहरण आज भी प्रासंगिक है, क्योंकि आधुनिक दुनिया में तकनीक और परिवहन ने भौगोलिक दूरियां कम कर दी हैं, लेकिन मानसिक और वैचारिक दूरियां अब भी बनी हुई हैं। इन्हें समाप्त करने के लिए ऐसे मंचों की आवश्यकता है जहां देश एक-दूसरे की संस्कृति और संवेदनाओं को समझ सकें।

एससीओ लंबे समय से सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय संपर्क जैसे विषयों पर सहयोग बढ़ाने का प्रयास करता रहा है। लेकिन बदलते वैश्विक हालात में इस संगठन की भूमिका केवल सामरिक और आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसके सदस्य देशों के बीच ऐतिहासिक, धार्मिक, भाषाई और सांस्कृतिक संबंधों की लंबी परंपरा रही है। भारत, चीन, रूस, मध्य एशियाई देशों और अन्य सदस्य राष्ट्रों के बीच प्राचीन काल से संपर्क और आदान-प्रदान के अनेक उदाहरण मौजूद हैं। यदि इन साझा विरासतों को आधुनिक कूटनीति का आधार बनाया जाए तो क्षेत्रीय विश्वास बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सभ्यतागत संवाद मंच इसी दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है।

इस आयोजन में पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसादिक मलिक की भागीदारी भी अपने आप में महत्वपूर्ण है। भारत और पाकिस्तान के संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। आतंकवाद, सीमा विवाद और राजनीतिक अविश्वास ने दोनों देशों के बीच सामान्य संबंधों की संभावनाओं को प्रभावित किया है। ऐसे माहौल में किसी बहुपक्षीय मंच पर दोनों देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी यह संदेश देती है कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग के कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं, जहां संवाद और सहभागिता के रास्ते खुले रखे जाने चाहिए। हालांकि यह स्पष्ट रहना चाहिए कि सांस्कृतिक संवाद का अर्थ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों की अनदेखी करना नहीं है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर रुख और शांति के लिए कूटनीतिक प्रयास एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि जिम्मेदार विदेश नीति के दो आवश्यक पक्ष हैं।

20 से 22 नवंबर तक आयोजित इस तीन दिवसीय मंच में एससीओ के सदस्य देशों के साथ पर्यवेक्षक और संवाद सहयोगी देशों की भागीदारी भी इसकी व्यापकता को दर्शाती है। भारतीय पुरातात्विक, कलात्मक और साहित्यिक विरासत को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी तथा 18वीं सदी की महाभारत चित्रित पांडुलिपि भारतीय संस्कृति की गहराई और रचनात्मक समृद्धि को सामने लाती है। कला, संगीत, भाषा, साहित्य, वास्तुकला और दर्शन पर होने वाले विशेष सत्र इस बात का प्रमाण हैं कि संस्कृति केवल अतीत की स्मृतियों का संग्रह नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य को जोड़ने वाली जीवंत शक्ति है।

हालांकि किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच की सफलता केवल उद्घाटन समारोह, भाषणों और सांस्कृतिक प्रदर्शनियों से तय नहीं होती। उसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उससे निकलने वाले विचार व्यवहार में कितने उतरते हैं। क्या सदस्य देश सांस्कृतिक आदान-प्रदान के स्थायी कार्यक्रम शुरू करेंगे ? क्या विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, कलाकारों और युवाओं को एक-दूसरे के देशों में जाने के अधिक अवसर मिलेंगे ? क्या ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, पर्यटन, शिक्षा और भाषा के क्षेत्र में संयुक्त परियोजनाएं विकसित होंगी ? इन सवालों के जवाब ही इस पहल की दीर्घकालिक उपयोगिता तय करेंगे।

आज दुनिया को ऐसे नेतृत्व और ऐसे मंचों की जरूरत है जो मतभेदों को दुश्मनी में बदलने के बजाय समाधान का रास्ता खोजें। भारत को अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक कूटनीतिक क्षमता के आधार पर इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। यह भी जरूरी है कि सभ्यताओं के संवाद को किसी एक देश की श्रेष्ठता स्थापित करने का माध्यम न बनाया जाए, बल्कि सभी संस्कृतियों के सम्मान और समान भागीदारी का आधार बनाया जाए।

निस्संदेह, हथियारों की होड़ से दुनिया सुरक्षित नहीं हो सकती और न ही युद्ध किसी सभ्यता को स्थायी विजय दिला सकता है। स्थायी शांति तभी संभव है जब देशों के बीच विश्वास हो, समाजों के बीच सम्मान हो और विचारों के आदान प्रदान के रास्ते खुले हों। नई दिल्ली में आयोजित एससीओ का पहला सभ्यतागत संवाद मंच इसी उम्मीद का प्रतीक है। भारत की पहल यदि ठोस सहयोग, सांस्कृतिक साझेदारी और आपसी विश्वास में परिवर्तित होती है तो यह केवल एससीओ ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए शांति का नया रास्ता खोल सकती है। दुनिया को युद्ध की भाषा नहीं, संवाद की संस्कृति चाहिए, क्योंकि मानवता का भविष्य हथियारों की ताकत से नहीं, बल्कि आपसी समझ और सहयोग से सुरक्षित होगा।

जेलें मनुष्य को फिर से मनुष्य बनाने के केन्द्र बने

ललित गर्ग

किसी भी सभ्य समाज की पहचान केवल इस बात से नहीं होती कि वह अपराधियों को कितनी कठोर सजा देता है, बल्कि इससे होती है कि वह अपराध करने वाले मनुष्य को सुधारने के कितने अवसर देता है। अपराध की गंभीरता को कम करना न्याय नहीं है, लेकिन अपराधी को हमेशा अपराध की पहचान से बांध देना भी न्याय की पूर्ण अवधारणा नहीं हो सकती। सजा आवश्यक है, किंतु सजा का अंतिम उद्देश्य प्रतिशोध नहीं, सुधार, नवनिर्माण और समाज की सुरक्षा होना चाहिए। इसी मानवीय दृष्टि से अब समय आ गया है कि भारत की जेल व्यवस्था को एक नई सोच, नई भाषा और नई कार्यप्रणाली दी जाए। हरियाणा सरकार द्वारा राज्य की सभी जेलों में ह्यबोर्ड ऑफ विजिटर्सह्न गठित करने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जेलों की आंतरिक व्यवस्था, बंदियों की समस्याओं, स्वास्थ्य, रहन-सहन, पुनर्वास तथा अधिकारों की निगरानी के लिए स्वतंत्र और संवेदनशील व्यवस्था बनाना निश्चित रूप से स्वागतयोग्य पहल है। बहुत जरूरत है कि दंड से सुधार, अपराधबोध से आत्मबोध और कारावास से पुनर्वास की ओर बढ़े भारतीय जेल व्यवस्था। इसे केवल किसी न्यायिक निर्देश की अनुपालना मानकर सीमित नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि जेल सुधार की व्यापक राष्ट्रीय नीति का प्रारंभिक बिंदु बनाया जाना चाहिए।



जेल शब्द ही हमारी मानसिकता का दर्पण है। जेल सुनते ही हमारे मन में बंद दीवारें, सलाखें, अपराध, सजा और भय की तस्वीर उभरती है। क्या हम इस संस्थान को ऐसी भाषा दे सकते हैं, जो सुधार की संभावना को सामने रखे ? सुधारगृह, पुनर्वास केंद्र, मानव पुनर्निर्माण केंद्र, नवजीवन केंद्र अथवा मानव सुधार एवं पुनर्वास गृह जैसे नामों पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। नाम बदलना मात्र प्रतीकात्मक कार्य नहीं होगा, यदि उसके साथ कार्यसंस्कृति भी बदले। दीवारों पर लिखे शब्द बदलने से व्यवस्था नहीं बदलती। व्यवस्था तब बदलती है जब उसके पीछे की सोच बदलती है। भारत की जेल व्यवस्था आज अनेक चुनौतियों से घिरी है। क्षमता से अधिक बंदी, बड़ी संख्या में विचाराधीन कैदी, कर्मचारियों की कमी, स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, अपर्याप्त पुनर्वास व्यवस्था तथा कभी-कभी भेदभाव और दुर्व्यवहार की शिकायतें यह बताती हैं कि केवल कारागार भवनों का विस्तार पर्याप्त नहीं है। हमें अपराध प्रबंधन से आगे बढ़कर मानव पुनर्निर्माण की व्यवस्था विकसित करनी होगी।

जेल में बंद व्यक्ति अपराध कर सकता है, लेकिन वह केवल अपराध नहीं है। उसके भीतर एक मनुष्य भी है-जिसमें विचार बदलने, पश्चाताप करने, सीखने और नया जीवन शुरू करने की क्षमता हो सकती है। न्याय व्यवस्था उसके अपराध का निर्धारण करती है, लेकिन सुधार व्यवस्था उसके भविष्य की संभावना तलाश सकती है। इसलिए जेल प्रशासन को सुरक्षा और अनुशासन के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, शैक्षिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी सक्रिय होना चाहिए। यहीं से सुधारगृह की अवधारणा महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रत्येक जेल में अच्छी पुस्तकालय व्यवस्था हो, नियमित खेलकूद हों, योग और ध्यान की गतिविधियां हों, प्रेरक व्याख्यान हों, कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण हो, संगीत, कला, लेखन और हस्तशिल्प जैसी रचनात्मक गतिविधियां हों। कैदियों के लिए व्यक्तिगत विकास, क्रोध-प्रबंधन, नशामुक्ति, पारिवारिक संबंध, नैतिक शिक्षा और जीवन-कौशल की कार्यशालाएं आयोजित की जाएं। उन्हें केवल यह न बताया जाए कि उन्होंने क्या गलत किया, बल्कि यह भी सिखाया जाए कि अब उन्हें सही दिशा में कैसे आगे बढ़ना है।

इस संदर्भ में भारत के अणुव्रत आंदोलन का अनुभव विशेष रूप से उल्लेखनीय है। आचार्य तुलसी के नेतृत्व में अणुव्रत आंदोलन ने प्रारंभ से ही व्यक्ति के भीतर नैतिक चेतना जगाने को परिवर्तन का आधार माना। जेलों में भी अणुव्रत के माध्यम से नैतिक जागरण, आत्मचिंतन, ज्ञान और जीवन-मूल्यों से जुड़े कार्यक्रम चलाए गए। इसका मूल संदेश था कि मनुष्य को केवल उसके अतीत से नहीं, उसके परिवर्तन की संभावना से भी देखा जाना चाहिए। यह अनुभव आज की जेल सुधार नीति के लिए महत्वपूर्ण प्रेरणा बन सकता है। अपराध से लड़ने का एक रास्ता कठोरता है, लेकिन उससे अधिक स्थायी रास्ता चेतना का परिवर्तन है। जिस व्यक्ति को पुस्तक पढ़ने, किसी विद्वान को सुनने, ध्यान करने, योग सीखने, कोई हुनर विकसित करने और अपने जीवन पर विचार करने का अवसर मिलता है, उसके भीतर परिवर्तन के द्वार खुल सकते हैं। जेल में बंद व्यक्ति को समाज से काटकर रखना आवश्यक हो सकता है, लेकिन उसे मानवीय समाज से पूरी तरह विमुख कर देना आवश्यक नहीं है।

बोर्ड ऑफ विजिटर्स की नई व्यवस्था को भी इसी व्यापक दृष्टि से जोड़ा जाना चाहिए। बोर्ड केवल निरीक्षण करने वाला निकाय न हो, बल्कि जेल सुधार का संवेदनशील प्रहरी बने। वह बंदियों से सीधे संवाद करे, उनकी शिकायतें सुने, स्वास्थ्य और स्वच्छता की स्थिति देखे, कानूनी सहायता की उपलब्धता जांचे और पुनर्वास कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का आकलन करे। उसकी रिपोर्टों के आधार पर समयबद्ध सुधार सुनिश्चित किए जाएं। यदि संभव हो तो नागरिक समाज, शिक्षा, मनोविज्ञान, चिकित्सा, विधि, खेल, योग, आध्यात्म और सामाजिक सेवा से जुड़े विशेषज्ञों को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा जाए। साथ ही, विचाराधीन बंदियों की समस्या को अलग प्राथमिकता मिलनी चाहिए। जिसका अपराध अभी सिद्ध ही नहीं हुआ, उसके लंबे कारावास को न्याय के व्यापक उद्देश्य के संदर्भ में देखना होगा। त्वरित न्याय, प्रभावी कानूनी सहायता, जमानत व्यवस्था और वैकल्पिक उपायों को मजबूत किए बिना जेलों की भीड़ कम करना कठिन होगा।

सरकार को अब राष्ट्रीय जेल सुधारगृह कार्ययोजना जैसी व्यापक पहल पर विचार करना चाहिए। प्रत्येक जेल के लिए सुधार का वार्षिक लक्ष्य तय हो। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, योग, ध्यान, खेल, पुस्तकालय, परिवार से संवाद और रिहाई के बाद पुनर्वास-इन सभी को एकीकृत योजना का हिस्सा बनाया जाए। जेल से बाहर आने वाले व्यक्ति को रोजगार, कौशल और सामाजिक पुनर्स्थापन से जोड़ने की व्यवस्था भी हो, ताकि वह पुनः अपराध की दुनिया में न लौटे। हरियाणा की पहल इसलिए महत्वपूर्ण है कि यह जेल को केवल प्रशासनिक नियंत्रण के स्थान के रूप में देखने के बजाय उसके भीतर मानवीय जवाबदेही को मजबूत करने का अवसर देती है। अब जरूरत इस बात की है कि बोर्ड ऑफ विजिटर्स को एक जीवंत सुधार-तंत्र बनाया जाए और इसके साथ जेलों के नाम, स्वरूप और कार्यदर्शन-तीनों में परिवर्तन की शुरूआत हो।

जेल की ऊंची दीवारें मनुष्य को समाज से दूर कर सकती हैं, लेकिन विचारों के द्वार बंद नहीं कर सकतीं। यदि उन दीवारों के भीतर पुस्तक, प्रार्थना नहीं तो प्रबोधन, योग, खेल, शिक्षा, कौशल, संवाद और आत्मचिंतन के द्वार खोल दिए जाएं, तो वही स्थान अपराध की पुनरावृत्ति का केंद्र न रहकर परिवर्तन की प्रयोगशाला बन सकता है। भारत को ऐसी जेल व्यवस्था चाहिए जहां सजा हो, लेकिन अपमान न हो। अनुशासन हो, लेकिन अमानवीयता न हो। सुरक्षा हो, लेकिन संवेदनहीनता न हो और सबसे बढ़कर अपराध के प्रति कठोरता के साथ अपराधी के भीतर छिपे मनुष्य के प्रति करुणा भी हो। हरियाणा ने बोर्ड ऑफ विजिटर्स के माध्यम से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब इस पहल को जेल से सुधारगृह और दंड से पुनर्वास की राष्ट्रीय यात्रा में बदलने की जरूरत है। यदि भारत की जेलें मनुष्य को केवल बंद करने के स्थान के बजाय मनुष्य को फिर से मनुष्य बनाने के केंद्र बन सकें, तो यह केवल जेल सुधार नहीं होगा, यह मानव सुधार की एक बड़ी सामाजिक क्रांति होगी।

दो समधी

बेटी का बाप बेटी के घर आया था। आते ही आवभगत शुरू, गरम-गरम पूड़ी, कचौड़ी, दही-बड़ा, फिर रबड़ी और पान। समधी जी खाट पर पसर गए, "वाह बेटी ! तेरे हाथ में तो अमृत है।" उधर दूसरे कमरे में लड़के का बाप सूखी रोटी पानी में डुबो-डुबोकर खा रहा था। बहू से कुछ कहे तो डर, कहीं बहू नाराज न हो जाए।

कभी-कभी दोनों समधी किसी बात पर भिड़ भी जाते।"समधी जी, जमाना बदल गया है, अब तो लड़कियों का ही राज है।" "अरे, हमरे जमाने में तो..." बेटी का बाप शुरू हो जाता।

लड़के का बाप हर बार हार मान लेता, "हां, समधी जी, आप ही सही कह रहे हैं।" लेकिन बात लड़के तक पहुंच गई कि ससुर जी उसके पिता को तंग करते हैं, बढ़िया माल खूद उड़ाते हैं और समधी को चिढ़ाते हैं।

बहू को भी पता चला। वह सोचने लगी, शायद पति कुछ कहे। पति सोचने लगा, शायद पत्नी ही कुछ करे, घर में शांति बनी रहे। दोनों एक-दूसरे का मुंह ताकते रहे।

एक दिन हद हो गई। बेटी के बाप ने कहा, "समधी जी, आज तो मटन बनवाइए, सूखी रोटी खा-खाकर तो आपका मुंह ही सूख गया है।" लड़के के बाप की आंखें भर आई, लेकिन बोले कुछ नहीं।

बहू समझदार थी। उसने उसी शाम भाई को फोन किया, "भैया, पापा को ले जाओ। ये तो मेरे ससुर का जीना हराम कर दिए हैं। यहां आकर तर माल उड़ा रहे हैं और ससुर जी को चिढ़ा रहे हैं।" दूसरे दिन भाई आया और पिता को ले गया। तर माल उड़ाने वाले बुढ़ऊ अब अपने घर जाकर सूखी रोटी चाबने लगे।

इधर लड़के पक्ष के पिता ने राहत की सांस ली और कहा, "बहू, तूने तो आज घर बचा लिया।"



राजकुमार धर द्विवेदी वरिष्ठ पत्रकार रायपुर





सैनिक का किरदार निभाने के लिए सलमान ने घंटों तक कड़ाके की ठंड का सामना किया

सलमान खान स्टारर फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का पहला टीजर और पोस्टर जब से रिलीज हुआ है, तब से दर्शकों के बीच फिल्म को देखने की बेसब्री बढ़ती जा रही है। शुरुआती झलकियों ने दर्शकों को फिल्म की दुनिया से रूबरू कराया, जिसके बाद से ही दर्शक फिल्म से जुड़ी और चीजें देखने का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के जबरदस्त स्केल ने पहले से ही फैंस के बीच चर्चा शुरू कर दी है, डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने बिहाइंड द सीस डिटेल्स के बारे ने बात की और बताया है कि कैसे फिल्म की मेकिंग धैर्य और ईमानदारी को पेश करती है। इंटेंस एक्शन से लेकर ट्रेलर में अब तक नजर आए मुश्किल जगहों पर की गई शूटिंग, यह बताती है कि टीम ने किसी भी तरह के शॉर्टकट को अपनाने से इंकार किया है, और इस तरह से उन्होंने हर फ्रेम में जान डालने के लिए असली, सख्त मौसम को इनडोर के आराम के सामने चुना है।

फिल्म के सबसे मुश्किल सीक्वेंस के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने कहा है , 'शुरुआत में हमने इस सीक्वेंस की शूटिंग मुंबई के एक स्टूडियो में करने का प्लान बनाया था, लेकिन सलमान सर से बात करने के बाद हमें समझ आ गया कि सेट पर शूट करने से वह असली एहसास नहीं आएगा। इसलिए हम बाहर गए और सितंबर एंड में इसकी शूटिंग की। उस समय पानी का तापमान लगभग जीरो डिग्री के आसपास रहा होगा। सलमान खान को अपने फिजिकली डिमांडिंग रोल्स में जीजान लगाने के लिए जाना जाता है, और ऐसे में मातृभूमि में वॉर रेस्ट इन पीस के लिए, उनके द्वारा लिया गया स्टूडियो से बाहर शूट करने का फैसला उनकी फिल्म के लिए कमिटमेंट को दर्शाता है। एक सैनिक का किरदार निभाने के लिए सुपरस्टार और उनके को-एक्टर्स कलाकारों ने घंटों तक कड़ाके की ठंड का सामना किया। वे भीगी हुई वर्दी में ही शॉट्स के बीच खाना खाते थे, ताकि पर्दे पर उनका संघर्ष और भावनाएं दर्शकों को बिल्कुल असली महसूस हों।



टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर पर मिली आलिया को जगह

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री आलिया भट्ट के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। अपनी शानदार अदाकारी और अलग-अलग तरह के किरदारों से दर्शकों का दिल जीतने वाली आलिया अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्हें टाइम मैगजीन की पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर स्टार के तौर पर जगह मिली है। मैगजीन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके सफर, फिल्मों में उनके किरदारों के चुनाव और फिल्म सेट पर महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल की वकालत करने के उनके प्रयासों को सराहा है।

आलिया को बताया 'बॉलीवुड आइकन'

टाइम मैगजीन ने इंस्टाग्राम पर आलिया को कवर स्टार घोषित करते हुए उन्हें 'बॉलीवुड आइकन' बताया। मैगजीन ने लिखा, 'हमारी पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट की कवर स्टार से मिलिए, बॉलीवुड आइकन आलिया भट्ट।' इसके साथ ही प्रकाशन ने इस बात पर भी गौर किया कि कैसे आलिया ने इंडस्ट्री में एक नई कलाकार के तौर पर शुरुआत की और धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण और अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई। आलिया भट्ट ने साल 2012 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बतौर लीड एक्ट्रेस बॉलीवुड में कदम रखा था। हालांकि, साल 2014 में इम्तियाज अली की फिल्म 'हाईवे' उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने वीरा त्रिपाठी का किरदार निभाया था, जो किडनैप होने के बाद खुद को समझने और अपनी जिंदगी को नए नजरिए से देखने का सफर तय करती है। इस फिल्म ने दर्शकों के बीच आलिया की अभिनय क्षमता को लेकर बनी धारणा बदल दी। मैगजीन के मुताबिक, आलिया का फिल्मी सफर ऐसे दौर में आगे बढ़ा, जब बॉलीवुड का पारंपरिक स्टार सिस्टम बदल रहा था और कलाकारों के सामने एक नई तरह की सेलिब्रिटी संस्कृति की चुनौतियां थीं। 'हाईवे' के बाद आलिया ने लगातार ऐसे किरदार चुने, जिनमें उन्हें अपनी अभिनय क्षमता दिखाने का मौका मिला। फिल्म 'उड़ता पंजाब' में उन्होंने पंजाब के ड्रग्स कारोबार के बीच फंसी बिहार की एक प्रवासी मजदूर का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड भी मिला।

कमर्शियल फिल्मों में भी आलिया ने किया काम

अपने करियर में आलिया ने जहां '2 स्टेट्स' जैसी कमर्शियल फिल्मों में काम किया, वहीं 'राजी', 'डियर जिंदगी' और 'गली बॉय' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान खींचा। अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की है। सिर्फ फिल्मों ही नहीं, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल बनाने की पैरवी को लेकर भी आलिया चर्चा में रही हैं। खासतौर पर फिल्म सेट पर महिलाओं की सुविधाओं और उनके काम करने की परिस्थितियों को बेहतर बनाने की दिशा में उनकी आवाज को मैगजीन ने अहमियत दी है। हाल ही में आलिया मुंबई में आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर भी अपने लुक को लेकर चर्चा में रही थीं। इस दौरान वह डिजाइनर रितु कुमार के तैयार किए गए ब्लैक और एंटीक गोल्ड रंग के बेहद खूबसूरत आउटफिट में नजर आई थीं।



रामायण में मैंने मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से जो कुछ भी दे सकता था, दिया

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में अभिनेता रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए अपनी इच्छा पूरी करने से ज्यादा महाकाव्य की सेवा करने का मौका था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'एक अभिनेता के तौर पर आप ऐसा काम करें कि दर्शक उसे इस तरह से महसूस करें, कि वे आपको आकर बताएं। इससे बड़ा तोहफा और क्या ही हो सकता है। सच कहूं, तो ये सब लिखते हुए मुझे यकीन नहीं हो रहा है लेकिन मन में कृतज्ञता है। लक्ष्मण की खुद के लिए कोई इच्छा नहीं थी, वो श्री राम और मां सीता के एक कदम पीछे खड़े होकर खुश थे, जब भी उनकी जरूरत हो, कर्तव्य पालन के लिए तैयार रहते थे। उन्होंने किरदार निभाने को लेकर बताया कि लक्ष्मण ने अभी तक जो किया, मैं बस वही सेवा और कर्तव्य की भावना रामायण में लाना चाहता था। उन्होंने लिखा, 'मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से मैं, जो कुछ भी दे सकता था, मैंने दिया। सच में मैं चाहता था लेकिन आप सबने मुझे इससे कहीं ज्यादा दे दिया।' रवि दुबे ने कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'मुकेश भाई, आपके उस कॉल ने सच में मेरी जिंदगी बदल दी, जिसके लिए मैं आपका आभारी हूं। नमित मल्होत्रा सर, नितेश तिवारी सर, आप लोग बहुत ही खास इंसान हैं और मैं आपका कर्जदार हूं कि आपने मुझे दुनिया के सबसे बेहतरीन कलाकारों के साथ एक सेट पर रखा। एक ऐसा सेट जहां मैं सबसे जूनियर और सबसे कम अनुभवी था, फिर भी जिस दिन से मैं वहां गया, आपने मुझे उतना ही प्यार, सम्मान और अपने काम को करने के लिए उतनी ही जगह दी।'

अभिनेता ने वरिष्ठ कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बताते हुए कहा कि शुरुआत में वे काफी डरे हुए थे। उन्होंने कहा, 'मैं डरा हुआ था कि कहीं मैंने इन शानदार लोगों को निराश तो नहीं कर दिया, जिन्होंने मुझ पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी के साथ भरोसा किया? कहीं मैंने बहुत कम तो नहीं कर दिया? कहीं मैंने लक्ष्मण के साथ, रामायण के साथ अन्याय तो नहीं कर दिया? और फिर आपका प्यार और साथ मिला। काश मैं आपमें से हर एक को बता पाता कि इसने मेरे लिए क्या किया है। इसमें बहुत खुशी है लेकिन इसमें एक बहुत ही कोमल सी राहत भी है। राम कथा की थोड़ी सी भी सेवा करके मेरा दिल भर गया है।

धनश्री वर्मा की साउथ सिनेमा में शुरुआत

तेलुगु फिल्म 'हे कन्नम्मा' में नजर आएंगी

धनश्री वर्मा अपने करियर में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। डांसर और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी धनश्री ने 'हे कन्नम्मा' फिल्म के साथ तेलुगू सिनेमा में लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी शुरुआत करने की घोषणा की है। इस फिल्म को 'दिल राजू प्रोडक्शंस' का सपोर्ट हासिल है। मेकर्स ने फिल्म का टीजर भी रिलीज कर दिया है। यह फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश मास्टर और कार्तिका मुरलीधरन भी नजर आएंगे। धनश्री वर्मा ने इंस्टाग्राम पर यह घोषणा शेयर की और इस प्रोजेक्ट को लेकर अपना उत्साह जताया। इसे एक बेहद खास सफर बताते हुए, उन्होंने कहा कि वह दर्शकों को बड़े पर्दे पर यह फिल्म देखते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं।

फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए उन्होंने लिखा, 'और आखिरकार ऐसा हो ही रहा है! लीड एक्टर के तौर पर मेरी पहली फिल्म। तेलुगू फिल्म में मेरा डेब्यू। और शुरुआत भी कितनी शानदार है — दिल राजू प्रोडक्शंस के साथ।'

अभिनेत्री ने फिल्म का आधिकारिक टीजर भी शेयर किया, जिससे दर्शकों को उनके नए प्रोजेक्ट की एक झलक मिली। उन्होंने इसे एक नई शुरुआत बताया क्योंकि वह अपने पहले मुख्य किरदार के साथ तेलुगु सिनेमा में कदम रख रही हैं। टीजर शेयर करते हुए, धनश्री ने इस सफर का हिस्सा बनने के लिए पूरी टीम को धन्यवाद दिया। अपनी पोस्ट में धनश्री ने लिखा, 'एक बहुत ही खास नई शुरुआत की एक छोटी सी झलक! पेश है मेरी तेलुगु डेब्यू फिल्म हेकन्नम्मा का आधिकारिक टीजर। इसमें मुझे शानदार 'दिल राजू प्रोडक्शंस' के साथ एक मुख्य अभिनेत्री के तौर पर एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने का मौका मिला है। यह एक ऐसा सफर है जो मेरे दिल के बहुत करीब है।'



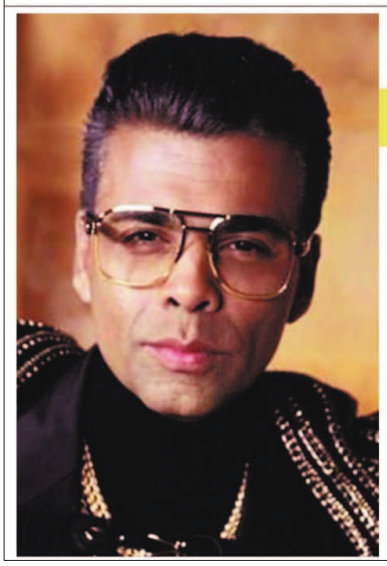

'कॉफी विद करण' का 22 साल का सफर अब हो रहा है खत्म

फिनाले में शाहरुख खान के साथ नजर आएंगे यश और रूही

करण जौहर का चर्चित चैट शो 'कॉफी विद करण' अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है. करीब 22 साल तक बॉलीवुड सितारों की जिंदगी से जुड़े दिलचस्प किस्से सामने लाने वाले इस शो का सीजन 9 आखिरी होने वाला है. ऐसे में करण जौहर अपने शो को यादगार अंदाज में विदाई देने की तैयारी कर रहे हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो फिनाले एपिसोड में बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान खास अंदाज में नजर आएंगे. इतना ही नहीं, करण के दोनों बच्चे यश और रूही भी पहली बार इस शो का हिस्सा बनेंगे.

फिनाले में शाहरुख खान की होगी खास एंट्री

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख खान फिनाले एपिसोड में करण जौहर के साथ कॉफी काउच पर दिखाई देंगे. हालांकि, वह पूरे एपिसोड में नहीं रहेंगे, बल्कि कुछ समय के लिए अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे. शाहरुख के साथ इस खास एपिसोड में करण के जुड़वां बच्चे यश और रूही भी नजर आएंगे. यह दोनों का टेलीविजन डेब्यू होगा. इस एपिसोड को लेकर सबसे खास बात यह है कि शाहरुख खान ही साल 2004 में शुरू हुए 'कॉफी विद करण' के पहले मेहमान बने थे. अब शो के आखिरी सीजन में उनकी वापसी से इसकी शुरुआत और विदाई के बीच एक खूबसूरत कनेक्शन बन जाएगा.

बेटी सुहाना खान भी हो सकती हैं शामिल

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी इस बातचीत का हिस्सा बन सकती हैं. बताया जा रहा है कि इस एपिसोड की शूटिंग उस समय हुई, जब शाहरुख अपनी फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त थे. काम की व्यस्तता के चलते वह पूरे एपिसोड के लिए समय नहीं निकाल पाए और कुछ देर के लिए शो में शामिल हुए.

सीजन 9 में नजर आए ये सितारे

'कॉफी विद करण 9' के इस सीजन में अब तक कई बड़े बॉलीवुड सितारे अपनी जिंदगी और करियर से जुड़े किस्से साझा कर चुके हैं. इनमें सलमान खान, वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, करीना कपूर, सैफ अली खान, कियारा आडवाणी, सिद्धार्थ मल्होत्रा, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना जैसे नाम शामिल हैं. वहीं, आने वाले एपिसोड्स के लिए सारा अली खान और इब्राहिम अली खान, समय रैना, दिलजीत दोसांझ और डिंपल कपाड़िया जैसे सितारों के नाम भी चर्चा में हैं. हालांकि, इनकी मौजूदगी को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.



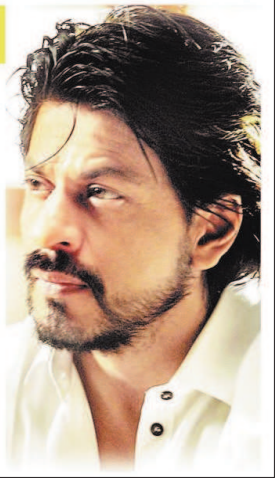

अफगान स्पिनर नूर बोले- धोनी महान प्लेयर उन्हें सभी मिस करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी भले ही अब आईपीएल में बतौर खिलाड़ी नजर नहीं आएंगे, लेकिन टीम के साथ मेंटर के रूप में उनकी मौजूदगी सीएसके के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। यह मानना है अफगानिस्तान के युवा स्पिनर नूर अहमद का। उन्होंने कहा कि धोनी की विकेट के पीछे शानदार विकेटकीपिंग और मैच फिनिश करने की क्षमता को टीम जरूर मिस करेगी, लेकिन उनका अनुभव और मार्गदर्शन खिलाड़ियों के लिए बेहद मददगार होगा। आईपीएल रिटेंशन की समयसीमा से पहले धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स का मेंटर नियुक्त किया गया। इसके साथ ही आईपीएल में बतौर खिलाड़ी उनके शानदार सफर का अंत हो गया।



धोनी की स्टंपिंग और फिनिशिंग को करेंगे मिस

दुबई में जारी डीपी वर्ल्ड इंटरनेशनल लीग टी20 में दुबई कैपिटल्स की ओर से खेल रहे नूर अहमद ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'हर कोई उन्हें मिस करेगा, लेकिन उनकी नई भूमिका टीम की काफी मदद करने वाली है। मैं खुश हूं कि वह अब भी टीम के साथ जुड़े हुए हैं।' धोनी की किन खूबियों की कमी सबसे ज्यादा खलेगी, इस सवाल पर नूर ने कहा कि उनकी स्टंपिंग और मैच को शानदार तरीके से फिनिश करने की क्षमता को सबसे ज्यादा याद किया जाएगा।

21 वर्षीय नूर अहमद का मानना है कि दुनिया भर की टी20 लीग में खेलने से युवा खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने का मौका मिलता है। अलग-अलग टीमों के अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने से उनके खेल में निखार आता है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों में खेलने से खिलाड़ियों को वहां की परिस्थितियों, मैदानों और मैच के दौरान पैदा होने वाली चुनौतियों को समझने का अनुभव मिलता है। इससे खिलाड़ियों की परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता बेहतर होती है।

परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाली टीम को मिलेगा फायदा

नूर अहमद ने कहा कि इंटरनेशनल लीग टी20 में वही टीमें बेहतर प्रदर्शन करेंगी, जो जल्द से जल्द वहां की परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढाल लेंगी। कई खिलाड़ी लगातार क्रिकेट खेलने के बाद इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं, ऐसे में खिलाड़ियों की फिटनेस और परिस्थितियों के अनुसार खेलने की क्षमता अहम होगी।

आधुनिक क्रिकेट में बड़े शॉट खेलने वाले बल्लेबाजों के बढ़ते प्रभाव और स्पिनरों के सामने आने वाली चुनौतियों पर नूर ने कहा कि गेंद को हवा में डालना भी स्पिन गेंदबाजों के लिए एक महत्वपूर्ण कला है। इससे गेंद की गति कम करने और बल्लेबाज को चकमा देने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में पिचें काफी स्पाट होती हैं। ऐसे में स्पिनरों को टिके रहने और प्रभावी बने रहने के लिए हर तरह की विविधता का इस्तेमाल करना पड़ता है।

न्यूजीलैंड पर हार का खतरा मंडराया, भारत से 233 रन पीछे

वेलिंगटन, एजेंसी। भारतीय टीम ने वेलिंगटन टेस्ट के चौथे दिन पूरी तरह अपना दबदबा बनाए रखा। ऋषभ पंत के तूफानी शतक और ध्रुव जुरेल की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की। इस तरह टीम इंडिया को पहली पारी के आधार पर 352 रन की विशाल बढ़त मिली। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। मेजबान टीम अभी भी भारत से 233 रन पीछे है और उसके सामने टेस्ट मैच बचाने की बड़ी चुनौती है।



पंत ने शतक से बदला मैच का रुख, भारत ने तेजी से बनाए रन

चौथे दिन भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन से आगे खेलना शुरू किया। क्रीज पर ऋषभ पंत 55 रन बनाकर मौजूद थे, जबकि अंशुल कंबोज को अपना खाता खोलना बाकी था। भारत की नजर बड़ी बढ़त हासिल करने पर थी। पंत ने दिन की शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने अंशुल कंबोज के साथ मिलकर तेजी से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी हुई। अंशुल कंबोज ने 42 गेंदों में 38 रन बनाए। उन्हें ग्लेन फिलिप्स ने डेवोन कॉनवे के हाथों कैच कराया।

इसके बाद पंत को ध्रुव जुरेल का साथ मिला। दोनों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। पंत ने ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर चौका और अगली ही गेंद पर छक्का लगाकर अपने टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया। उनके शतक पूरा करते ही भारतीय ड्रेसिंग रूम में जश्न का माहौल बन गया। पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।

भारत ने बनाए कई बड़े रिकॉर्ड

भारतीय टीम की 720 रन की पारी सिर्फ बड़ी बढ़त के लिहाज से ही खास नहीं रही, बल्कि इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बने। भारत का यह विदेशी धरती पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इसके अलावा स्वह्न देशों यानी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीय टीम ने अपना सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर बनाया।

इस पारी की एक अऔर बड़ी उपलब्धि शुरुआती सात विकेट के लिए लगातार 50 या उससे ज्यादा रन की साझेदारियां होना रही। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने 85, केएल राहुल ने 136, देवदत पडिक्कल ने 80, शुभमन गिल ने 98 और ऋषभ पंत ने 128 रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने 78 रन की पारी खेली। अंशुल कंबोज ने 38, वॉशिंगटन सुंदर ने 24 और आकाश दीप ने 13 रन का योगदान दिया।

न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने तीन विकेट लिए। रचिन रवींद्र को दो विकेट मिले, जबकि मैट हेनरी, काइल जेमीसन, जैकब डफी और नाथन स्मिथ ने एक-एक विकेट हासिल किया।

बुमराह ने फिर पहले ओवर में लाथम को किया आउट

352 रन की बड़ी बढ़त मिलने के बाद भारतीय गेंदबाजों के सामने न्यूजीलैंड को दूसरी पारी में जल्द समेटने की चुनौती थी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने जसप्रीत बुमराह को गेंद थमाई और उन्होंने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को अपना शिकार बनाया। बुमराह ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी के शुरुआती ओवर में ही लाथम को ऋषभ पंत के हाथों कैच करा दिया। लाथम दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। खास बात यह रही कि न्यूजीलैंड की पहली पारी में भी बुमराह ने लाथम को पारी के शुरुआती ओवर में ही आउट किया थाइसके बाद डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। हालांकि, प्रसिद्ध कृष्णा ने निकोल्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। पहली पारी में 175 रन बनाने वाले निकोल्स दूसरी पारी में 59 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने तीन चौके लगाए। प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर जांघ से टकराई और शॉर्ट लेग पर खड़े ध्रुव जुरेल ने शानदार कैच लपक लिया।

जुरेल ने भी खेली शानदार पारी, 720 रन पर घोषित की पारी

ऋषभ पंत के आउट होने के बाद ध्रुव जुरेल ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने एक छोर पर टिककर बल्लेबाजी की और अपना तीसरा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। जुरेल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ भी उपयोगी साझेदारी की। वॉशिंगटन सुंदर ने 24 रन बनाए। उन्हें रचिन रवींद्र ने अपनी ही गेंद पर कैच किया। इसके बाद आकाश दीप ने भी तेज अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने पांच गेंदों में दो छक्कों की मदद से 13 रन बनाए, लेकिन ग्लेन फिलिप्स ने उन्हें टॉम लाथम के हाथों कैच करा दिया। दूसरी ओर जुरेल ने अपनी पारी जारी रखी। उन्होंने 79 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 78 रन बनाए। 720 के स्कोर पर जुरेल का विकेट गिरते ही कप्तान शुभमन गिल ने भारतीय पारी घोषित कर दी। जसप्रीत बुमराह सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने नौ विकेट पर 720 रन बनाए और पहली पारी में 352 रन की बढ़त हासिल की।

कॉनवे का अर्धशतक, रचिन के साथ संभाली पारी

दो विकेट गिरने के बाद डेवोन कॉनवे और रचिन रवींद्र ने न्यूजीलैंड की पारी को संभाला। कॉनवे ने संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने टेस्ट करियर का 14वां अर्धशतक लगाया। दिन का खेल समाप्त होने तक कॉनवे 59 रन और रचिन रवींद्र 27 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 59 रन की अटूट साझेदारी हो चुकी है। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 45 ओवर में दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। टीम अभी भी भारत की पहली पारी के स्कोर से 233 रन पीछे है।

पांचवें दिन भारत के सामने पारी से जीत दर्ज करने का मौका

वेलिंगटन टेस्ट का पांचवां दिन बेहद रोमांचक होने वाला है। भारतीय टीम को पारी से जीत दर्ज करने के लिए न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल करने होंगे। वहीं मेजबान टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती पूरे दिन बल्लेबाजी करके मैच बचाने की होगी।

भारत के पास 352 रन की विशाल पहली पारी की बढ़त है। ऐसे में अगर भारतीय गेंदबाज शुरुआती सत्र में विकेट निकालने में कामयाब रहते हैं तो न्यूजीलैंड पर दबाव और बढ़ सकता है। फिलहाल कॉनवे और रचिन की साझेदारी मेजबान टीम की उम्मीदों को जिंदा रखे हुए है। अब देखना दिलचस्प होगा कि पांचवें दिन भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड की दूसरी पारी को कितनी जल्दी समेट पाते हैं या फिर कीवी बल्लेबाज संघर्ष करते हुए टेस्ट मैच बचाने में सफल होते हैं।

आलोचकों को दिया करारा जवाब

पंत बोले- अब छक्कों का जुनून नहीं, निरंतरता है प्राथमिकता

वेलिंगटन। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि अब उनके करियर का लक्ष्य सिर्फ छक्के लगाना या रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि अपने खेल में निरंतरता बनाए रखना और मैदान पर उतरते ही टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करना है। पंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर अपनी फिटनेस और फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों का करारा जवाब दिया। पंत ने रविवार को 153 गेंदों पर 128 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने यह भी उपलब्धि हासिल की कि वह स्वह्न देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। इसके अलावा वह चारों स्वह्न देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज भी हैं।



अब रिकॉर्ड नहीं, निरंतरता पर है ध्यान

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंचने के सवाल पर पंत ने कहा कि बचपन में उन्हें खूब छक्के लगाने और बड़े रिकॉर्ड बनाने का शौक था, लेकिन अब उनकी सोच बदल गई है।

उन्होंने कहा, 'बचपन में निश्चित रूप से मेरे कुछ लक्ष्य हुआ करते थे, जिनमें खूब छक्के लगाना भी शामिल था। लेकिन अब अपने करियर के इस पड़ाव पर मैं इन चीजों के बारे में नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपने खेल में निरंतरता लाना चाहता हूं और जहां भी खेलूं, वहां अपना प्रभाव छोड़ना चाहता हूं।'

टेस्ट क्रिकेट में धैर्य और मेहनत जरूरी

भारतीय टीम ने पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंत ने कहा कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में हर दिन आसान परिस्थितियां नहीं मिलतीं। ऐसे में खिलाड़ियों को धैर्य के साथ लंबे समय तक मैदान पर टिके रहने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ी आपस में बातचीत करते हुए छोटे-छोटे पलों का आनंद लेते हैं और हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं। पंत ने भरोसा जताया कि भारतीय टीम पांचवें दिन न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल कर सकती है।

न्यूजीलैंड में पहला टेस्ट शतक लगाना था खास

पंत ने न्यूजीलैंड की धरती पर अपना पहला टेस्ट शतक लगाने को खास उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से यहां शतक लगाने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से एक अच्छी पारी थी। न्यूजीलैंड एक ऐसी जगह थी, जहां मैं शतक लगाना चाहता था। विकेट पर बल्लेबाजी आसान नहीं थी और सभी बल्लेबाज अच्छा खेल रहे थे। ऐसे में मेरा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा समय तक क्रीज पर टिके रहना और टीम के लिए योगदान देना था।'

छक्के से शतक पूरा करने का रहा है शौक

ऋषभ पंत ने बताया कि वह आमतौर पर छक्का लगाकर शतक पूरा करना पसंद करते हैं, लेकिन इस कोशिश में उन्होंने कई बार अपने शतक भी गंवाए हैं। इस बार उन्होंने धैर्य बनाए रखा और यही मौके का इंतजार किया। पंत ने कहा, 'जब भी मैं शतक के करीब होता हूं, तो कोशिश रहती है कि उसे छक्के से पूरा करूं। हालांकि, इस चक्कर में मैंने कई बार शतक गंवाए भी हैं। इस बार मैं धैर्य रख रहा था। लेकिन जब मिड ऑफ का फील्डर ऊपर आया, तो मुझे लगा कि यह सही मौका है और मैं छक्का लगा सकता हूं।' न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पंत की फिटनेस को लेकर सवाल उठ रहे थे। साइड स्ट्रेन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाने के कारण वह न्यूजीलैंड में खेले गए भारत ए के मुकाबलों में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। ऐसे में पहले टेस्ट में उनकी 128 रन की पारी भारतीय टीम के लिए बड़ी राहत और पंत के आत्मविश्वास के लिहाज से अहम साबित हुई।

ओलंपिक मेजबानी की प्रक्रिया का हिस्सा होंगी उषा

नई दिल्ली। भारत की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी पर दावा जताने के लिए अहम कड़ी आईओसी के फ्यूचर होस्ट कमीशन के समक्ष प्रस्तुतिकरण 26 नवंबर को होने जा रहा है। इस प्रस्तुतिकरण का हिस्सा आईओए अध्यक्ष पीटी उषा भी होंगी। खेल मंत्री मनसुख मांडविया की अगुवाई में होने जा रहे इस प्रस्तुतिकरण में सिर्फ उषा ही नहीं बल्कि आईओसी सदस्य नीता अंबानी, एथलीट कमीशन की चेयरपरसन पीवी सिंधु, खेल सचिव हरिरंजन राव, आईओए सीईओ रघु अय्यर, गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी, गुजरात के प्रमुख सचिव डॉ. राहुल गुप्ता, गुजरात के शहरी विकास सचिव एम थेन्नारासन हिस्सा होंगे।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच आखिरी मुकाबला ड्रॉ टीम इंडिया ने 1-0 से जीती तीन मैचों की सीरीज

ऑकलैंड। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की 'इंडिया-न्यूजीलैंड सेंचुरी ऑफ स्पोर्टिंग यूनिटी' सीरीज 1-0 से जीत ली। रविवार को खेले गए तीसरे और आखिरी मुकाबले में भारत ने मेजबान न्यूजीलैंड के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। इसके साथ ही भारतीय टीम पूरी सीरीज में अजेय रही। भारत ने सीरीज के पहले मुकाबले में 19 नवंबर को न्यूजीलैंड को 3-2 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे और तीसरे मैच में दोनों टीमों के बीच मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ।



पहले हाफ में भारत ने बनाई बढ़त

मेजबान न्यूजीलैंड ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। टीम को नौवें मिनट में डायलन थॉमस ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, भारत ने जल्द ही वापसी की। कप्तान संजय ने 16वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके दो मिनट बाद ही कार्थी सेल्वम ने 18वें मिनट में शानदार फील्ड गोल दागकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद अपनी बढ़त कायम रखी और मुकाबले के अंतिम चरण तक बढ़त बनाए रखी।

55वें मिनट में न्यूजीलैंड ने की बराबरी-मैच के 55वें मिनट में न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए स्कोर 2-2 कर दिया। बेनजी कल्हेन ने फील्ड गोल कर मेजबान टीम को बराबरी पर ला दिया। आखिरी मिनटों में दोनों टीमों ने निर्णायक गोल करने की कोशिश की, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली और मुकाबला 2-2 से ड्रॉ समाप्त हुआ।

सैंडपेपर पर नहीं थम रहा विवाद

बॉयकॉट बोले- पूरी टीम ने मिलकर की थी बेईमानी

नई दिल्ली। क्रिकेट जगत में 2018 के चर्चित बॉल टेंपरिंग विवाद यानी 'सैंडपेपरगेट' को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज सर ज्योफ्री बॉयकॉट ने इस मामले को क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया है। उनका मानना है कि ऑस्ट्रेलिया का यह विवाद दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान हैंसी क्रोन्ये से जुड़े मैच फिक्सिंग प्रकरण से भी ज्यादा गंभीर था। बॉयकॉट ने आरोप लगाया कि इस साजिश में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि कोचिंग स्टाफ भी शामिल था।

ख्वाजा के दावों को कमिंस ने नकारा

दरअसल, आठ साल पहले 2018 में ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर केपटाउन टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। इस विवाद ने पूरी दुनिया में क्रिकेट को शर्मसार कर दिया था। अब ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा 'सब्र' में किए गए खुलासों के बाद यह मामला फिर चर्चा में है। ख्वाजा ने अपनी किताब में दावा किया है कि गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना के बारे में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को जानकारी थी। पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने भी इस दावे का समर्थन किया है।



विवाद उस समय और गहरा गया, जब ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने करीब 70 मिनट तक मीडिया के सवालों का जवाब दिया और अपने इस रुख पर कायम रहे कि उन्हें गेंद से छेड़छाड़ की योजना की कोई जानकारी नहीं थी। वहीं, इस मामले में सजा पाने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने भी 'द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन' में एक लेख लिखकर ख्वाजा के दावे का समर्थन किया।ज्योफ्री बॉयकॉट ने 'द टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा कि सैंडपेपरगेट विवाद 25 साल से भी पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को हिला देने वाले हैंसी क्रोन्ये के मैच फिक्सिंग मामले से कहीं बड़ा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में उन्होंने इससे बड़ा घोटाला न तो पढ़ा है और न ही देखा है। बॉयकॉट के मुताबिक, क्रोन्ये के मामले में मुख्य रूप से कुछ युवा खिलाड़ियों हर्शल गिब्स और हेनरी विलियम्स को अपनी साजिश में शामिल किया गया था। टीम के बाकी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को इसकी जानकारी नहीं थी। इसके उलट, सैंडपेपरगेट में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम और कोचिंग स्टाफ की भूमिका होने का दावा किया गया है।उन्होंने लिखा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी और कोच इस योजना में पूरी तरह शामिल थे। इसके बाद मामले को छिपाने की कोशिश की गई और तीन खिलाड़ियों को ही इसका जिम्मेदार ठहराकर बाकी लोगों को बचा लिया गया। बॉयकॉट ने इसे हैरान करने वाला और अविश्वसनीय बताया। बॉयकॉट ने इस विवाद में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर को मिली सजा को भी कम बताया। उनका मानना है कि दोनों खिलाड़ियों पर पांच साल का प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह कोई अचानक हुई घटना नहीं थी, बल्कि दो टेस्ट मैचों में जीत हासिल करने के लिए सुनियोजित तरीके से गेंद से छेड़छाड़ की कोशिश की गई थी।

बेमेतरा में स्पेशल लोक अदालत का सफल आयोजन, चेक बाउंस के 12 प्रकरणों का हुआ निपटारा

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिला न्यायालय परिसर बेमेतरा में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के मार्गदर्शन में माननीय श्रीमती सरोज नंद दास प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के निर्देशन में परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 की धारा 138 से संबंधित प्रकरणों के निराकरण हेतु स्पेशल लोक अदालत का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस विशेष लोक अदालत में चेक अनादरण (चेक बाउंस) से संबंधित लंबे समय से लंबित कुल 12 प्रकरणों का आपसी समझौते एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में निराकरण किया गया, जिसमें कुल 51,04,294 रुपये का अवार्ड पारित किया गया।

नालसा और राज्य प्राधिकरण के मार्गदर्शन में हुआ आयोजन : यह आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन तथा श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ देवेन्द्र कुमार, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश बेमेतरा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण व कर्मचारीगण को परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के मामले निराकरण करने हेतु प्रोत्साहित कर शुभकामनाएं दीं।

जिला और तालुका स्तर पर गठित की गई खण्डपीठें : आयोजित स्पेशल लोक अदालत में जिला स्तर पर खण्डपीठ क्रमांक 01 व 02 तथा तालुका स्तर पर 01 खण्डपीठ का गठन किया गया। सभी खण्डपीठों में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक प्रतिनिधियों, न्यायालयीन



कर्मचारियों, पैरालीगल वालेंटियर्स तथा पक्षकारों की सक्रिय सहभागिता से प्रकरणों का आपसी सहमति के आधार पर सफलतापूर्वक निराकरण किया गया।

खण्डपीठ क्रमांक-1 में हुए बड़े समझौते

खण्डपीठ क्रमांक 01 देवेन्द्र कुमार, प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, बेमेतरा की अध्यक्षता में लगी। यहां धारा 138 के प्रकरण क्रमांक 37/2024 की अपील में अपीलार्थी / अभियुक्त द्वारा उत्तरवादी / परिवादी को कुल 5,00,000 रुपये प्रदान किया जाना था। पीठासीन अधिकारी एवं सुलहकर्ता द्वारा आपसी संबंध मधुर बनाये रखने हेतु समझाया गया, जो सफल रहा। समझौते के अनुसार अपीलार्थी 5,00,000 रुपये उत्तरवादी को 10,000 रुपये प्रति माह 50 किश्तों में देगा।

इसी खण्डपीठ में अपील प्रकरण क्रमांक 28/2024 में आपसी सहमति से 1,50,000 रुपये उत्तरवादी / परिवादी को 5,000 रुपये प्रति माह 30 किश्तों में देने का समझौता हुआ।

अपील प्रकरण क्रमांक 21/2024 में चेक राशि 5,00,000 रुपये थी, जिसमें आपसी संबंध मधुर बनाये रखने हेतु 4,50,000 रुपये में आपसी सहमति से राजीनामा किया गया। इसके साथ ही 4 अन्य 138 के प्रकरणों में भी आपसी सहमति एवं राजीनामा कर प्रकरण समाप्त किया गया।

खण्डपीठ क्रमांक-2 और तालुका स्तर पर भी सफलता

खण्डपीठ क्रमांक-2 में पक्षकारों को आपसी संबंध मधुर बनाये रखने हेतु समझाया गया, जो सफल रहा एवं कुल 04 प्रकरण निराकृत हुए। वहीं तालुका स्तर पर खण्डपीठ क्रमांक 01 में 01 प्रकरण राजीनामा के आधार पर निराकृत हुआ।

त्वरित, सरल और कम खर्च में मिला न्याय : चेक अनादरण से संबंधित लंबित प्रकरणों का आपसी समझौते एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्वरित, सरल एवं कम खर्च में निराकरण किया गया। इससे पक्षकारों को न्यायालय के चक्कर से मुक्ति मिली और उनके आपसी संबंध भी मधुर बने रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा ने कहा है कि लोक अदालत न्याय पाने का सबसे सरल और सुलभ माध्यम है। भविष्य में भी इस तरह की विशेष लोक अदालतों का आयोजन कर अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा।

खास खबर

राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज ले जाते समय एंबुलेंस में महिला ने दिया बेटे को जन्म



नई दृष्टिबिंदु / छुईखदान

आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की तत्परता और कर्मचारियों की सूझबूझ का एक सराहनीय मामला सामने आया है। पिपरिया निवासी 28 वर्षीय गर्भवती महिला नेहा कोठले (पति मायाराम) को मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव ले जाते समय रास्ते में ही एंबुलेंस के भीतर एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया। प्रसव के बाद मां और नवजात शिशु दोनों पूरी तरह स्वस्थ बताए जा रहे हैं।नक्शे देखें

खैरागढ़ से आगे बढ़ी प्रसव पीड़ा : जानकारी के अनुसार, गर्भवती नेहा कोठले को पिपरिया उपस्वास्थ्य केंद्र से बेहतर उपचार और प्रसव के लिए मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव रेफर किया गया था। एंबुलेंस से उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी खैरागढ़ से आगे निकलने पर महिला की प्रसव पीड़ा अचानक तेज हो गई।

डॉक्टरों के मार्गदर्शन में सुरक्षित प्रसव : स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए एंबुलेंस टीम ने तुरंत मोर्चा संभाला। शाम 7 बजकर 10 मिनट पर महिला का सुरक्षित प्रसव कराया गया और उसने बेटे को जन्म दिया। इसमें ईएमटी चंद्रकला, पायलट धर्मेंद्र सिंह राजपूत और जीएनएम किरण कौशिक की अहम भूमिका रही। वहीं आरएमओ डॉ. मनीषा साहू और ईआरसीपी डॉ. नितेंद्र के मार्गदर्शन में जरूरी चिकित्सकीय परामर्श व प्रसवोत्तर देखभाल सुनिश्चित की गई।

परिजनों ने ली राहत की सांस : जच्चा और बच्चा दोनों के स्वस्थ होने की खबर मिलते ही परिजनों ने राहत की सांस ली। विषम परिस्थिति में कर्मचारियों की तत्परता और मानवीय संवेदना की लोगों ने सराहना की है। यह घटना दिखाती है कि संकट की घड़ी में एंबुलेंस सेवा मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के साथ-साथ जीवनरक्षक की भूमिका भी निभा रही है।

पुरानी रंजिश एवं विवाद को लेकर आरोपी ने युवक के सिर पर भारी वस्तु से किया जानलेवा हमला

पुरानी रंजिश और विवाद को लेकर आरोपी ने युवक के सिर पर भारी वस्तु से किया जानलेवा हमला

बेमेतरा। शनिवार को प्रार्थिया पूर्णिमा बंजारे पति कमलेश बंजारे उम्र 31 साल निवासी मोहतरा थाना साजा जिला बेमेतरा द्वारा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसका देवर ओमप्रकाश बंजारे उम्र 23 वर्ष, किराना दुकान से गुटखा खरीदकर अपनी स्कूटी से घर लौट रहा था। इसी दौरान पक्की चौक आंगनबाड़ी केंद्र के पास स्कूटी रोककर रविन्द्र जोशी से बातचीत कर रहा था। तभी करीबन 11 बजे सतीश बंजारे मोटरसाइकिल से वहां पहुंचा और ओमप्रकाश बंजारे को अश्लील गाली-गलौज करते हुए पुरानी रंजिश एवं विवाद को लेकर जान से मारने की धमकी देने लगा। इसके बाद सतीश बंजारे ने अपनी मोटरसाइकिल की डिक्की से हथौड़ी निकालकर ओमप्रकाश के सिर पर जान से मारने की नीयत से जोरदार वार कर दिया। इसी दौरान सतीश बंजारे का पिता लखन बंजारे भी वहां पहुंचा और उसे पकड़ लिया। इसके बाद सतीश बंजारे ने पुनः ओमप्रकाश के सिर पर हथौड़ी से प्राणघातक वार किया।

सतीश बंजारे और उसके पिता लखन बंजारे ने एक राय होकर ओमप्रकाश के साथ मारपीट की तथा उसे जमीन पर गिराकर गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। किसी तरह आरोपियों के चंगुल से छूटकर ओमप्रकाश अपनी जान बचाते हुए घर पहुंचा। उसके सिर के दोनों तरफ गंभीर चोटें आई थीं। परिजनों द्वारा उसे उपचार हेतु शासकीय अस्पताल साजा में भर्ती कराया गया। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना साजा में अपराध सदर धारा 296,109 (1), 3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस संवाद में सुनी अधिकारी-कर्मचारियों की समस्याएं अनुशासन को बताया गया पुलिस व्यवस्था की बुनियाद

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा



पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग अभिषेक शांडिल्य द्वारा आज जिला पुलिस बेमेतरा का वार्षिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने रक्षित केन्द्र बेमेतरा स्थित पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित परेड की सलामी ली तथा परेड का निरीक्षण किया। परेड में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना/चौकी प्रभारी एवं विभिन्न शाखाओं से आए पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों ने भाग लिया।

परेड कमांड की जिम्मेदारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो ने संभाली, जबकि सेकंड इन कमान प्रशिक्षु सूबेदार चुमन राम उर्वशा रहे। परेड के दौरान मार्च पास्ट, स्कॉट ड्रिल एवं टोलीवार ड्रिल का प्रदर्शन किया गया। पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने विभिन्न ड्रिलों के माध्यम से अपने अनुशासन, तत्परता एवं शारीरिक दक्षता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आईजीपी महोदय ने अच्छी गणवेश धारण करने एवं परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों की सराहना करते हुए उन्हें नगद पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया।

इसके पश्चात आईजीपी ने रक्षित केन्द्र स्थित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान शासकीय वाहनों, ड्राइवर ट्रूल किट, ड्राइवर रजिस्टर एवं अन्य संसाधनों का अवलोकन कर वाहनों के रखरखाव एवं उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी ली तथा आवश्यक सुधार के संबंध में संबंधित प्रभारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्टोर शाखा, शस्त्रागार, जिम रूम सहित अन्य शाखाओं का भी निरीक्षण कर अभिलेखों, प्रशासनिक व्यवस्थाओं एवं उपलब्ध संसाधनों की समीक्षा की। साथ ही डॉग स्क्वॉड का निरीक्षण करते हुए डॉग मास्टर को डॉग के खानपान, नियमित प्रशिक्षण एवं समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण तथा उपचार कराने के निर्देश दिए।

वार्षिक निरीक्षण के दौरान पुलिस संवाद कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शांडिल्य (भा.पु.से.) ने पुलिस अधिकारियों एवं जवानों से सीधे संवाद कर उनकी व्यक्तिगत एवं सामूहिक समस्याओं तथा गुजारिशों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने समस्याओं के यथोचित निराकरण हेतु संबंधित प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस बल का मनोबल एवं कार्यक्षमता बनाए रखने के लिए अधिकारी-कर्मचारियों की समस्याओं का समय पर निराकरण आवश्यक है।

अपने उद्बोधन में आईजीपी अभिषेक शांडिल्य (भा.पु.से.) ने कहा कि अनुशासन ही पुलिस व्यवस्था की बुनियाद है। प्रत्येक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी को अनुशासन, प्रोफेशनल पुलिसिंग, टीम वर्क, तकनीकी दक्षता एवं जनसेवा की भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने निर्देशित किया कि थाना एवं चौकी में आने वाले पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए उनकी शिकायतों पर त्वरित एवं उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास एवं सकारात्मक छवि बनी रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर अनुशासनहीनता स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ और फिट रहने के लिए प्रतिदिन योग एवं एक्सरसाइज हेतु समय निकालने तथा अपने परिवार के साथ भी पर्याप्त समय बिताने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बेहतर पुलिस सेवा एवं कर्तव्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए मानसिक संतुलन, शारीरिक फिटनेस और अनुशासन अत्यंत आवश्यक हैं।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.) ने भी अधिकारी-कर्मचारियों को आपसी समन्वय, टीम भावना एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करते हुए जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने का आह्वान किया।

वार्षिक निरीक्षण कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, एसडीओपी बेरला श्रीमती रुचि वर्मा, डीएसपी श्रीमती शशिकला उईके, रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, आईजीपी कार्यालय दुर्ग रेंज के अधिकारी निज सहायक श्रीनिवास राव, आईजीपी रीडर उप निरीक्षक राजकुमार प्रधान, एसपी रीडर-1 निरीक्षक कृष्णकांत सिंह, मुख्यलिपिक उप निरीक्षक (अ) हरिओम विश्वकर्मा, उप निरीक्षक (अ) प्रदीप देशमुख, स्टेनो संतोष कुमार सोनवानी, सउनि (अ) अजय कुमार देवांगन, प्रवीण लोहले, महेंद्र भुआर्य, दीपक गर्जेलवार, महेन्द्र भुआर्य, प्रधान आरक्षक (अ) ताम्रध्वज देशमुख, रीडर-2 महिला प्रधान आरक्षक वर्षा चौबे पुलिस कार्यालय के समस्त शाखा प्रभारी एवं सहायक तथा जिले के समस्त थाना-चौकी प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सोनिया गांधी की पुस्तक अपनापन : प्रेम का एक सफर - संघर्ष, त्याग और समर्पण का दस्तावेज : रामचंद्र शर्मा



रायगढ़। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी जी की पुस्तक अपनापन : प्रेम का एक सफर को लेकर रायगढ़ के कांग्रेस नेता रामचंद्र शर्मा ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। रामचंद्र शर्मा ने कहा कि यह पुस्तक सोनिया गांधी जी के जीवन के संघर्षों, त्याग, अनुभवों और भावनात्मक यात्रा का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। यह पुस्तक उनके जीवन के अनकहे पहलुओं, रिश्तों, जिम्मेदारियों और देश के प्रति उनके समर्पण को करीब से समझने का अवसर प्रदान करती है।

उन्होंने कहा कि दशकों तक दूसरों ने उनकी कहानी बयां की, अब उन्होंने अपनी कहानी स्वयं शब्दों में दुनिया के सामने रखी है। यह पुस्तक न केवल कांग्रेस कार्यकर्ताओं, बल्कि देश के हर पाठक के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। रामचंद्र शर्मा ने पुस्तक के प्रकाशन पर सोनिया गांधी जी को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनके जीवन से त्याग, धैर्य और देशभक्ति की सीख मिलती है।

ई-ऑफिस व एआई के इस्तेमाल से शासकीय कामकाज में आएगी तेजी : कलेक्टर यादव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



शासकीय कामकाज को अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से शनिवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कलेक्टर जितेन्द्र यादव की अध्यक्षता में हुई इस कार्यशाला में जिले के सभी विभाग प्रमुखों को ई-ऑफिस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आईगॉट कर्मयोगी के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी गई।

फाइलों की प्राथमिकता तय कर शीघ्र करें निराकरण

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से शासकीय कार्यों में तेजी लाने के साथ काम की गुणवत्ता भी सुधारी जा सकती है। उन्होंने बताया कि एआई की मदद से ई-ऑफिस के कार्यों को अधिक आसान और व्यवस्थित किया जा सकता है। एआई के जरिए महत्वपूर्ण व अत्यावश्यक फाइलों की पहचान कर प्राथमिकता तय करने, समय-सीमा वाले मामलों की निगरानी करने और लंबित फाइलों के जल्द निराकरण में सहायता मिलती है। उन्होंने निर्देश दिए कि ई-ऑफिस की फाइलों पर नियमित कार्रवाई हो और किसी भी स्तर पर अनावश्यक रूप से फाइलें लंबित न रहें।

दस्तावेज संधारण और ऑनलाइन प्रशिक्षण पर चर्चा

कार्यशाला में ई-ऑफिस प्रणाली के तहत फाइल बनाने, प्राप्त करने, अग्रेषित करने, नोटशीट व ड्राफ्ट तैयार करने तथा पार्क एवं क्लोज विकल्पों के उपयोग सहित दस्तावेजों के व्यवस्थित संधारण की प्रक्रिया समझाई गई। एआई के माध्यम से पत्राचार, दस्तावेज प्रारूप तैयार करने और सूचनाओं के विश्लेषण के बारे में भी बताया गया। साथ ही आईगॉट कर्मयोगी पोर्टल के जरिए अधिकारियों-कर्मचारियों की क्षमता संवर्धन व ऑनलाइन कोर्सेस की जानकारी दी गई।

अधीनस्थों को भी दें प्रशिक्षण

कलेक्टर ने विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि वे कार्यशाला में मिली जानकारी का अपने दफ्तरों में प्रभावी उपयोग करें और अधीनस्थ कर्मचारियों को भी प्रशिक्षित करें। उन्होंने कहा कि तकनीक के बेहतर इस्तेमाल से प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और गति आएगी, जिससे आमजन को समय पर शासकीय सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। कार्यशाला में जिला पंचायत सीईओ दुर्गा प्रसाद अधिकारी, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, नगर निगम आयुक्त जीआर मरकाम सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

पेयजल समस्या से निजात

अमृत मिशन 2.0 के तहत मिली मंजूरी

सौगात : 7.36 करोड़ से शहर के 4 वार्डों में मिलेगा 24 घंटे पानी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शहर के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए पेयजल समस्या से निजात दिलाने वाली एक बड़ी खबर है। अमृत मिशन 2.0 योजना के तहत राजनांदगांव नगर निगम को 247 जल प्रदाय पायलट परियोजना के लिए 7 करोड़ 36 लाख 27 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिल गई है। राज्य शहरी विकास अभिकरण (सुडा) द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किए जाने के बाद अब शहर के चार प्रमुख सीमावर्ती क्षेत्रों—मोहड़, मोहारा, सिंगदई और हल्दी में चौबीसों घंटे आधुनिक जलापूर्ति व्यवस्था विकसित की जाएगी।

टंकी निर्माण से लेकर बोर खनन तक होंगे काम

महापौर मधुसूदन यादव ने इसे शहर के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए विधानसभा अध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक डॉ. रमन सिंह का आभार



जताया है। उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह के सतत प्रयासों से यह मंजूरी कम समय में मिल सकी है। प्रोजेक्ट के तहत चयनित चारों क्षेत्रों में नई पानी की टंकियों का निर्माण, बोर खनन, बोर स्थापना और पाइपलाइन सुदृढ़ीकरण जैसे बड़े कार्य किए जाएंगे। इससे जल हानि (लीकेज) रुकेगी और हर घर तक प्रेशर के साथ नियमित शुद्ध पानी पहुंच सकेगा।

अन्य वार्डों के लिए भी खुलेगा रास्ता

महापौर ने कहा कि नगर निगम नागरिकों को भरोसेमंद जलापूर्ति देने के लिए संकल्पित है। इस पायलट प्रोजेक्ट के सफल होने के बाद शहर के अन्य हिस्सों में भी इसी तर्ज पर 24 घंटे पानी की व्यवस्था लागू की जाएगी। स्वीकृति मिलते ही महापौर ने निगम आयुक्त और संबंधित अधिकारियों को तत्काल बैठक बुलाकर काम की गुणवत्ता और समय-सीमा तय करने के लिए ठोस एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

इन्होंने जताया आभार

इस स्वीकृति के लिए निगम अध्यक्ष टोपेंद्र (पारस) वर्मा, जल कार्य प्रभारी सुनील साहू, पार्षद आलोक श्रीती, चंद्रकृत साहू, मुकेश साहू और संजय रजक ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, प्रभारी मंत्री गजेंद्र यादव, सांसद संतोष पांडेय और महापौर मधुसूदन यादव का आभार व्यक्त किया है।

महिला हैंडबॉल में राजनांदगांव की टीम ने जीता स्वर्ण फाइनल में बिलासपुर को 15-1 से दी शिकस्त

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



अंतरराज्यीय यूनिवर्सिटी स्टेट टूर्नामेंट में राजनांदगांव की महिला हैंडबॉल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। फाइनल मुकाबले में राजनांदगांव की टीम ने बिलासपुर को एकतरफा मुकाबले में 15-1 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।नक्शे देखें

पूरे टूर्नामेंट के दौरान राजनांदगांव की खिलाड़ियों ने बेहतर खेल कौशल, अनुशासन और आपसी तालमेल का परिचय दिया। फाइनल मुकाबले में भी टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और बिलासपुर की टीम पर दबाव बनाए रखा। खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर टीम ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की।

इस सफलता के पीछे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, लगन और नियमित अभ्यास के साथ कोच राजा कुरैशी का कुशल मार्गदर्शन तथा टीम मैनेजर श्रीमती नीता नायर का सहयोग और बेहतर प्रबंधन रहा। राजनांदगांव की स्वर्ण पदक विजेता टीम में कनक जोगी, ज्योति मांडवी, करुणा यादव, तनुजा मांडवी, भूमि कोचर, लिशा मरकाम, पूर्वी, अपूर्वा, याशिका, सौम्या और सृष्टि शामिल रहीं। महिला हैंडबॉल टीम की इस उपलब्धि से जिले के खेल जगत में हर्ष का माहौल है। टीम की सफलता पर खिलाड़ियों, कोच और मैनेजर को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस जीत ने जिले में खेल प्रतिभाओं और महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियों को एक बार फिर गौरवान्वित किया है।

पट्टा में नया पेंच, मुख्यमंत्री बांटेंगे पट्टा, कलेक्टर ने नवीनीकरण का भी दिया है आदेश पर निगम में नवीनीकरण नहीं, 7 हजार परिवार प्रभावित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर निगम भिलाई सहित अन्य निकायों में रह रहे लोगों को वर्षों से पट्टा मिलने का इंतजार है। वर्षों के इंतजार के बाद अब जब निगम चुनाव नजदीक आया है, तब शासन ने सर्वे और नवीनीकरण का आदेश जारी किया है। आदेश मिलते ही निगम की टीम सर्वे में जुट गई है। लेकिन चिंता का विषय यह है कि जो लोग वर्षों से रह रहे हैं, निगम को संपत्तिकर, जलकर दे रहे हैं, बिजली बिल चुका रहे हैं, वैसे लोगों को भी अपात्रों की श्रेणी में शामिल कर दिया गया है। यही नहीं करीब 5 हजार से ज्यादा परिवार ऐसे हैं, जिन्हें नवीनीकरण कराने का इंतजार है। आदेश में नवीनीकरण भी लिखा है, लेकिन निगम नवीनीकरण भी नहीं कर रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार नगर निगम की टीम शहर में सर्वे करा रही है। लेकिन अब समस्या यह है कि मात्र करीब 10 प्रतिशत लोग ही नियम के तहत पात्र की श्रेणी में आ रहे हैं। 3 हजार लोग सर्वे में मिले, पर पात्र की श्रेणी में ऐसे करीब 298 लोग हैं। बचे लोगों और पार्षदों का आरोप है कि लोगों को दावा आपत्ति का पर्याप्त समय नहीं दिया गया। लोगों को यह भी नहीं बताया जा रहा है कि वे क्यों पात्र नहीं हैं। अफसरों का कहना है कि कई डीआईसी, हाउसिंग बोर्ड व निगम की जमीन में बसे हैं। नजूल की जमीन में बसे लोगों को पट्टा देना है। पट्टा उन्हीं लोगों को दिया जाएगा जो 2017 से काबिज हैं, झुग्गी झोपड़ी, कच्चा मकान में रह रहे हैं। इन्हें प्रमाण देना होगा। लोगों का कहना है कि उन्हें ठीक से जानकारी भी नहीं दी जा रही। दस्तावेज में आधार, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस को नहीं मान रहे हैं।

केस 1

मॉडल टाउन निवासी मुकेश शेंडे ने बताया कि 36 साल से पट्टा के मकान में रह रहे हैं। घर को नापने के लिए निगम से आए थे। जलकर, संपत्तिकर सब दे रहे हैं। लेकिन अब बोल रहे हैं। मुकेश का कहना है कि जब वे निगम गए थे तो अधिकारियों ने कहा मॉडल टाउन में पट्टा का लाभ नहीं मिलेगा, जबकि खम्हरिया के लोगों को दे रहे हैं।



सर्वे ही नहीं किए

पट्टा संघर्ष समिति रिसाली की अध्यक्ष प्रियंका गौतम ने प्रशासन पर पट्टा सर्वे में पारदर्शिता नहीं बरतने और रहवासियों को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि रिसाली निगम के वार्ड 16, 17 और 18 में अब तक सर्वे नहीं हुआ है। सालों से रह रहे लोगों को पात्र-अपात्र की शर्तों में उलझाकर पट्टे से वंचित किया जा रहा है। पट्टा सभी पुराने रहवासियों को मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ गरीबों को पट्टा देने के बाद दिया जा सकता है। संविधान समानता की बात करता है, ऐसे में पट्टे के लिए भेदभावपूर्ण शर्तें क्यों?

केस 2

बद्री प्रसाद वर्मा ने बताया कि 25 साल से वे मॉडल टाउन में रह रहे हैं। लेकिन उनका नाम नहीं आया है। अपात्र कर दिए हैं। जब वे निगम गए तो उन्हें पता चला। उन्हें इसकी सूचना भी नहीं दी गई। अब अधिकारी कह रहे हैं, जमीन की साइज बड़ी है। लेकिन जितने में मकान है, उतने का निगम टैक्स ले रही है।

जुनवानी खम्हरिया मॉडल टाउन में कई घर की नपाई ही नहीं हुई, पट्टाधारी अधिनियम 2023 के नियम 8 के अंतर्गत 600 वर्ग फीट से अधिक के व्यवस्थापन लायक पुराने काबिज लोगों को भी लचीलापन अपनाकर राहत देने का नियम है। अलग-अलग वार्डों में अलग-अलग मापदंड अपनाया जा रहा है।

हरिओम तिवारी, पार्षद मॉडल टाउन

जो पात्र हैं उनका आवेदन लिया जा रहा है। पट्टा का काम अभी लगातार चल रहा है। दावा आपत्ति के बाद भी जो बचे हैं, वे पात्र हितग्राही अपना आवेदन कर सकते हैं। आवेदन लिया जा रहा है। किसी पात्र हितग्राही का नाम काटा नहीं जा रहा है। हमारा प्रयास है कोई भी ना छूटे और यह प्रक्रिया आगे भी चलेगी।

दिनेश कोसरिया, उपायुक्त

अब बकायादार नहीं लड़ सकेंगे चुनाव नगर निगम से लेना होगा प्रमाण पत्र

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



नगर निगम भिलाई में चुनाव होने वाला है। निगम प्रशासन ने चुनाव की तैयारी तेजी से शुरू कर दी है। बड़ी बात यह है कि बकायादार निगम का चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। चाहे वे किसी भी राजनीतिक पार्टी से हों या निर्दलीय हों। चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशियों को पहले नगर निगम से बकाया शून्य प्रमाण पत्र लेना होगा। इसके बिना उन्हें नामांकन फार्म नहीं दिया जाएगा।

मतलब जो भी व्यक्ति चुनाव लड़ना चाहता है, उसे नगर निगम में अपना सभी तरह के जरूरी टैक्स समय पर जमा करने होंगे। जैसे जलकर, संपत्तिकर, यूजर चार्ज आदि। यह जमा करने के बाद ही निगम उन्हें प्रमाण पत्र देगा। इसके लिए निगम प्रशासन ने अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। विजय पांडेय, विद्याधर देवांगन, देवराज राजपूत, संतोष पांडेय और नेन दास की ड्यूटी लगाई गई है।

इसके अलावा निगम प्रशासन मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन कराएगा। मतदान केंद्र में जरूरी सुविधाओं की जांच होगी। साथ ही प्रस्तावित कुल 487 मतदान केंद्र हैं, उनका 23 नवंबर तक भौतिक सत्यापन कर फाइनल सूची तैयार की जाएगी। भवन की स्थिति से लेकर वार्ड के भीतर जो मतदान केंद्र है, उसकी दूरी का आकलन करेंगे। इसके लिए जोन वार अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है।

MP में 7,500 आरक्षक भर्ती के लिए 7.54 लाख आवेदन

देश में बेरोजगारी की हालत : 42 PHD, 11,961 इंजीनियर और 51,381 पोस्ट ग्रेजुएट भी लाइन में

नई दृष्टिबिंदु / भोपाल

मध्यप्रदेश में 7,500 पुलिस आरक्षकों की भर्ती के लिए होने वाली लिखित परीक्षा स्थगित कर दी गई है। कर्मचारी चयन मंडल (ESB) ने 22 नवंबर को परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। परीक्षा 19 नवंबर 2026 से शुरू होनी थी, लेकिन निर्धारित समय पर आयोजित नहीं हो सकी। अब नई तारीख और परीक्षा शेड्यूल जल्द जारी किया जाएगा। इसके बाद ही अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड जारी होंगे।

एक पद के लिए 100 से ज्यादा दावेदार : आरक्षक भर्ती के लिए 7.54 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें 42 पीएचडी धारक, 11,961 इंजीनियर, 51,381 पोस्ट ग्रेजुएट और 3,26,626 ग्रेजुएट अभ्यर्थी शामिल हैं। इसके अलावा 4,38,753 हायर सेकेंडरी, 93,736 हाईस्कूल और 1,011 आठवीं पास युवाओं ने भी आवेदन किया है। भर्ती में 6,800 सामान्य ड्यूटी आरक्षक और 700 विशेष सशस्त्र बल (SAF) के पद शामिल हैं।

चयनित अभ्यर्थियों को गृह जिले में पोस्टिंग नहीं मिलेगी और संबंधित यूनिट में कम से कम 5 साल सेवा करनी होगी। परीक्षा केंद्रों पर आधार आधारित बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य रहेगा।

चुनाव से पहले हर जोन में विकास का एजेंडा

कहीं सड़कें बनेंगी, कहीं नालियां, तो कहीं गार्डन और सामुदायिक भवन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर निगम चुनाव से पहले भिलाईवासियों को करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात मिलने वाली है। इसके लिए नगर निगम भिलाई ने हर जोन में विकास का एजेंडा तैयार कर लिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भिलाई आने वाले हैं, जो शहर को करीब 60 करोड़ 87 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात देंगे। 55 करोड़ 72 लाख रुपए के 204 कार्यों का भूमिपूजन और 5 करोड़ 14 लाख रुपए के 16 पूरे कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा।

खास बात यह है कि विकास कार्यों की यह सूची किसी एक इलाके तक सीमित नहीं है। इसमें निगम के पांचों जोन और 70 वार्ड शामिल हैं। अलग-अलग वार्डों में सड़क, नाली, डामरीकरण, गार्डन, सामुदायिक भवन, हाईमास्ट लाइट और सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़े काम शामिल हैं।

12 नवंबर को सीएम विष्णुदेव साय भिलाई और रिसाली आने वाले थे। इसे लेकर बीते करीब एक माह से प्रशासनिक स्तर पर तैयारी चल रही थी। गत दिनों निगम अफसरों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण आदि भी किया था। लेकिन अब कार्यक्रम की तारीख को आगे बढ़ाया जा रहा है। त्योहारी सीजन को देखते हुए अब 12 नवंबर के बजाय आने वाले सप्ताह में आने की तैयारी है। हालांकि अभी संभावित तारीख 18 या 19 नवंबर बताई जा रही है। संजय नगर तालाब, बटालियन व अन्य स्थानों पर कार्यक्रम किया जा सकता है। वहीं रिसाली में नेवई थाना के पास खाली मैदान को आयोजन स्थल बना सकते हैं। यहां भी करोड़ों के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया जाएगा। निगम का फोकस रोजगारी की नागरिक सुविधाओं पर है। नेहरू नगर, जुनवानी, कोहका, खम्हरिया, आनंद नगर, सुपेला, वैशाली नगर, रामनगर, छावनी, खुसीपार और हुडको सहित अलग-अलग इलाकों में काम प्रस्तावित हैं। कहीं सीसी रोड और नाली बनेगी तो कहीं डामरीकरण से मुख्य सड़कों की हालत सुधारी जाएगी।

धमधा रोड से सीधा जुड़ेगा भिलाई : जोन-1 में खम्हरिया पानी टंकी से चिखली रोड माइल स्टोन स्कूल तक मुख्य मार्ग के डामरीकरण के लिए 95.26 लाख रुपए रखे गए हैं। फिलहाल जुनवानी चौक से खम्हरिया तक कैनाल रोड बना रहे हैं। यहां से आगे चिखली रोड को बनाएंगे। इससे भिलाई और चिखली, जेवरा सिरसा क्षेत्र सीधे भिलाई से जुड़ जाएंगे। नेहरू नगर पूर्व में कृष्णा डेयरी के आसपास और व्यावसायिक परिसर क्षेत्र की डामर सड़कों के नवीनीकरण पर 85 लाख रुपए खर्च होंगे। फरीद नगर मुरूम खदान चौक के आसपास डामरीकरण के लिए 49.43 लाख रुपए और विवेकानंद नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की सड़कों के नवीनीकरण के लिए 75.50 लाख रुपए मंजूर हैं।

कहीं गार्डन संवरेंगे, कहीं हाईमास्ट और सार्वजनिक मंच बनेंगे

सड़क और नाली के अलावा, सार्वजनिक उपयोग की सुविधाओं के काम भी होंगे। खुसीपार, छावनी, वैशाली नगर और नेहरू भवन क्षेत्र में गार्डन का विकास, सार्वजनिक मंच, डोमशेड और लाइट लगाने के काम प्रस्तावित हैं। हुडको के वार्ड 70 में नाले पर रिटेनिंग वॉल निर्माण के लिए 49.95 लाख रुपए रखे गए हैं। जोन-5 के अलग-अलग वार्डों में फुटपाथ, नाली और सीसी रोड निर्माण के लिए 70 लाख रुपए का प्रावधान है। 77 एमएलडी जलशोधन संयंत्र और स्टाफ क्वार्टर परिसर में भी सीसी रोड व नाली निर्माण के लिए 36.62 लाख रुपए स्वीकृत हैं।

लोकार्पण में 1.56 करोड़ की सड़क सबसे बड़ा काम

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम में जिन कार्यों का लोकार्पण होना है, उनमें सबसे बड़ी राशि जोन-3 के दो प्रमुख सड़क मार्गों के डामरीकरण पर खर्च हुई है। वार्ड 31 में बैकुंठधाम स्वागत द्वार से स्वास्थ्य कार्यालय तक और वार्ड 35 में किशन चौक से पप्पू चौक होते हुए एक नंबर पंप हाउस तक सड़क डामरीकरण के लिए 1 करोड़ 56 लाख 90 हजार रुपए स्वीकृत हैं। इसके अलावा वार्ड 11 फरीद नगर, टाटा लाइन, बजरंग पारा और सुंदर नगर में नाली व सीसी रोड निर्माण पर 97.06 लाख रुपए का काम पूरा बताया गया है। स्मृति नगर-त्रिवेणी नगर में उद्यान निर्माण, जुनवानी एसबीआई कॉलोनी में सीसी रोड और नाली, नेहरू भवन क्षेत्र में आरसीसी नाली, साहू मित्र सभा कर्मा भवन में सामुदायिक-सांस्कृतिक भवन और एसीसी चौक-लक्ष्मण नगर चौक में हाईमास्ट लाइट जैसे काम भी लोकार्पण सूची में हैं।

निगम चुनाव में मजबूत दावेदारी : भाजपा प्रदेश संयोजक किसान मोर्चा के अतुल पर्वत का नाम मजबूती से उभरा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर निगम चुनाव को लेकर शहर में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच भाजपा के युवा और सक्रिय चेहरे अतुल पर्वत की मजबूत दावेदारी चर्चा का केंद्र बन गई है। वर्तमान में अतुल पर्वत भाजपा प्रदेश संयोजक किसान मोर्चा (प्रकल्प) के दायित्व पर हैं। संगठनात्मक अनुभव, सामाजिक सेवा और जमीनी पकड़ के कारण उनका नाम मजबूती से उभरा है।

अतुल पर्वत भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र से जुड़े सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता हैं। उन्होंने भाजपा किसान मोर्चा में पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य तथा छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र के सह-प्रभारी के रूप में संगठनात्मक जिम्मेदारी निभाई है। पूर्व में भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ प्रभारी - राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र का दायित्व भी संभाला है। वर्तमान में वे भिलाई कैन डू पर्वत फाउंडेशन के अध्यक्ष तथा अखिल भारतीय गोस्वामी समाज के राष्ट्रीय महामंत्री (युवा) हैं।

2015 से सेवा की शुरुआत : साल 2015 में अतुल पर्वत ने "भिलाई कैन डू - पर्वत फाउंडेशन" की नींव रखी। उद्देश्य सीधा था - भिलाई के लोगों के सुख-दुख में सबसे पहले साथ खड़े होना और शहर को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी खुद उठाना। तब से फाउंडेशन ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, खेल और महिला सम्मान जैसे कई क्षेत्रों में कार्य किए हैं।

कोविड काल में फाउंडेशन ने जरूरतमंद भिलाईवासियों तक राशन, भोजन, दवाएं, ऑक्सीजन सहायता एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं के वितरण के माध्यम से मदद पहुंचाई। रक्तदान और स्वास्थ्य जांच शिविरों के माध्यम से हर जरूरतमंद को समय पर रक्त और चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। स्व सहायता महिला समूहों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई मशीन की सहायता भी दी गई।



एक शाम श्री राम - खाटू श्याम के नाम: मध्य भारत का सबसे बड़ा आयोजन : तुल पर्वत की पहचान सिर्फ संगठन और सेवा तक सीमित नहीं है। विगत 6 वर्षों से उनके नेतृत्व में "एक शाम श्री राम - खाटू श्याम के नाम" का भव्य आयोजन हो रहा है, जिसे मध्य भारत का सबसे बड़ा आयोजन माना जाता है। इस आयोजन के माध्यम से हिंदुत्व, संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकजुटता को मजबूती मिली है।

आयोजन में समय-समय पर देश के सुप्रसिद्ध भजन गायक और भोजपुरी कलाकारों को बुलाया जाता है, जिसमें हजारों की संख्या में भिलाईवासी और आसपास के जिलों के श्रद्धालु शामिल होते हैं। यह आयोजन अब भिलाई की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है।

सभी समाजों के लिए मदद : अतुल पर्वत का मानना है कि सेवा का कोई समाज, वर्ग या धर्म नहीं होता। भिलाई के लोगों के लिए और सभी समाजों को मदद करना ही उनकी राजनीति का आधार है। किसी भी समाज के धार्मिक, सामाजिक या सांस्कृतिक आयोजन में वे बिना भेदभाव के सहयोग करते हैं। यही कारण है कि सभी वर्गों में उनकी स्वीकार्यता बढ़ी है।

स्थानीय मुद्दों पर मुखर आवाज : अतुल पर्वत ने स्थानीय मुद्दों को संबंधित जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ स्तर के पदाधिकारियों तक पहुंचाने की पहल की है। वर्ष 2023 में उन्होंने भिलाई में डेंगू की स्थिति को लेकर स्थानीय विधायक से चर्चा कर फॉगिंग तथा दवा/पाउडर के छिड़काव की आवश्यकता उठाई थी। जनवरी 2026 में भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़े कर्मचारियों की रिटेंशन समस्या को उन्होंने राज्यपाल रमेन डेका के समक्ष रखा। प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार इस विषय से 1,500 से अधिक परिवार प्रभावित होने की बात चर्चा में रखी गई थी।

सम्मान और पहचान : सामाजिक योगदान के लिए अतुल पर्वत को कई सम्मान मिल चुके हैं। भारत 24 न्यूज द्वारा आयोजित GAME CHANGER 2024 में दिल्ली में बेस्ट यूथ आइकॉन अवार्ड से सम्मानित किया गया। न्यूज18 मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ - यूथ आइकॉन अवार्ड, जी मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ न्यूज - यूथ आइकॉन अवार्ड और कल्ल न्यूज - भिलाई कैन डू पर्वत फाउंडेशन के सामाजिक कार्यों के लिए सम्मान भी मिल चुका है।

क्या है विजन

अतुल पर्वत का लक्ष्य सरल है - ऐसा भिलाई, जहां युवा को रोजगार मिले, बुजुर्गों को सम्मान, बेटियों को सुरक्षा और हर घर को बुनियादी सुविधाएं। उनकी प्राथमिकताओं में युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास, खेल सुविधाएं, परिवारों के लिए स्वच्छ पानी, सड़कें, स्वास्थ्य सेवाएं और समाज के लिए हर वर्ग का सम्मान और सबकी आवाज की सुनवाई शामिल है।

अतुल पर्वत का कहना है - "भिलाई सिर्फ एक शहर नहीं, हम सबकी पहचान है। यह इस्पात की तपिश में पले सपनों और मेहनतकश हाथों का शहर है। मेरे लिए सेवा कोई मंच या पद नहीं, एक आदत है। भिलाई हमारा मिनी इंडिया है, जहां विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं का मिलन होता है और अपने भिलाई के विकास के लिए मैं संकल्पबद्ध हूं।" भिलाई नगर निगम चुनाव में उनकी दावेदारी को लेकर समर्थकों और कार्यकताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। संगठन और समाज के बीच सेतु के रूप में उनकी पहचान उन्हें अन्य दावेदारों से अलग करती है।



बालोद में ट्रक में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

बालोद। जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर आधी रात कच्चे लोहे से भरे एक चलते ट्रक में अचानक आग भड़क उठी। कुछ ही देर में आग ने इतना भयावह रूप ले लिया कि 14 चक्कों वाला पूरा वाहन लपटों से घिर गया। चालक ने तत्काल ट्रक से कूदकर अपनी जान बचा ली। घटना पुरूर थाना क्षेत्र में बिजली कार्यालय के सामने की बताई जा रही है। आग इतनी तेजी से फैली कि दमकल की टीम के पहुंचने और उसे नियंत्रित करने के प्रयासों के बावजूद ट्रक पूरी तरह जल गया। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक ट्रक क्रमांक CG-04-QH-9770 नारायणपुर से कच्चा लोहा लेकर रायपुर की ओर रवाना हुआ था। वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग-30 से गुजरते हुए पुरूर क्षेत्र में पहुंचा था। इसी दौरान रात लगभग 1 बजकर 15 मिनट पर ट्रक से अचानक धुआं उठने लगा। शुरूआत में चालक को स्थिति समझने का मौका भी नहीं मिला और आग तेजी से फैलने लगी। कुछ ही समय में वाहन का बड़ा हिस्सा आग की चपेट में आ गया।





"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100